प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

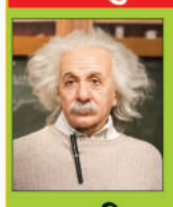

बिना अपना आपा और आत्म विश्वास खोए, कुछ भी सुन सकने की योग्यता ही शिक्षा है।

अल्बर्ट आइंस्टीन

वर्ष-07, अंक - 05 (साप्ताहिक) खवासा, गुरूवार 24 अक्टूबर 2024 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

दिपोत्सव के साथ सरकार व प्रशासन की यहां भी है विसंगतियां

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

भारतीय दंड संहिता, भारतीय न्याय संहिता बन चुकी है। वर्षो पुराने शब्दों को हटाकर नये शब्द जोड़े गए हैं लेकिन वावजूद इसके न्याय व्यवस्था या कानून के रखवालो के आचरण और व्यक्तित्व में कोई परिवर्तन हुआ है क्या...?

आज भी पुलिस अपना ट्रैक रिकॉर्ड खराब न हो इसके लिए एफआईआर दर्ज करने तक में कतराती है। यही नहीं हत्या जैसे संगीन मामलों में पुलिसिया रवैया यह रहता है कि, किसी भी तरह मामला आपस में सुलझ जाए।

हाल ही में जिले में 3-4 ऐसी घटना हो चुकी है जिसमें ऐसे सवेदनशील मामलों में, बजाए पुलिस वाले त्वरित कार्यवाही करके मामले की असलियत सामने लाने के बजाय मामले को रफा-दफा करने के लिए ज्यादा उत्सुक नजर आई।

प्रधानमंत्री द्वारा प्रशंसा वेतन के लिए हड़ताल

अगर आपके कार्य की प्रशंसा देश के प्रधानमंत्री द्वारा की जाना निश्चित रूप से गौरवशाली क्षण है लेकिन केवल प्रशंसा से पेट नहीं भरता है। किसी भी कर्मचारी को उसका मेहताना समय पर मिलना ही चाहिए और अपनी मेहनत की कमाई के लिए भी अनशन जैसा कदम उठाना पड़े तो निश्चित रूप से शासन और प्रशासन के लिए शर्म का विषय है। मामला जिला मुख्यालय में स्थित नगर पालिका का है, जहां ट्रिपल इंजन की सरकार होने के बाद भी कर्मचारियों को दीपावली जैसे त्योहार के पूर्व अपने वेतन के लिए तालाबंदी करने की स्थिति निर्मित हुई है। जबकि नगर पालिका , प्रदेश सरकार और केंद्र में एक ही पार्टी की सरकार है।

दीपोत्सव में असमंजस्य

दीपावली कब मनाई जाए इसके लिए देशभर के ज्योतिषी एकमत नहीं है। कोई 31 अक्टूबर को मनाने की सलाह दे रहा है, तो कोई एक नवंबर को। ऐसी स्थिति में देश भर में दो दिन दीपावली मनाए जाने की संभावना है।

नियम व व्यवस्था में विसंगतियां

दिवाली देश का सबसे बड़ा त्यौहार है जो बिना आतिशबाजी के नहीं मनाया जाता है लेकिन आतिशबाजी को लेकर सरकार कड़े नियम देश भर के आतिशबाजी विक्रेताओं के लिए परेशानी का सबक बन गया है। सरकार आतिशबाजी के लिए अस्थाई लाइसेंस (अनुमति) कुछ कठोर शर्तों के साथ जारी करती है जिसका पालन सभी करते हैं। लेकिन जो भी व्यापारी जितना माल लाता है सभी तो बिक नहीं पाता है। ऐसे में जो माल शेष रह जाता है उसको रखने के लिए शासन द्वारा स्पष्ट दिशा निर्देश न होने के कारण न चाहते हुए भी उसे अपने घर या गोदाम में सुरक्षित रखना पड़ता है। लेकिन पटाखे का भंडारण घर में या आबादी क्षेत्र में नहीं किया जा सकता है। ऐसे में व्यापारी ना चाहते हुए भी नियम उलगन का आरोपी बन जाता है और देश प्रदेश में कोई अनहोनी होने के बाद पूरे फटाका व्यापारी ही संदेह की नजर में देखे जाते हैं।

जिस प्रकार सरकार द्वारा फटाका विक्रय के लिए नियम बनाए गए हैं। ठीक उसी प्रकार शेष रह जाने वाले माल के भंडारण के लिए भी नियम बनाए जाने चाहिए तथा उनका व्यापक प्रसार किया जाना चाहिए। ताकि कोई व्यापारी बिना किसी डर के न केवल अपना व्यापार करें बल्कि शेष रहे माल को भी शासन की तय नीति के अनुसार सुरक्षित भंडारण करके साल भर चैन की नींद सो सके। वही नियत स्थान पर स्थानिय निकाय एनओसी के साथ व्यापारी से टिन शैड दुकान के खर्च वाली राशि ले कर नियम अनुसार दुकान बनाकर दि जाये तो किसी प्रकार की अनियमित्ता न होकर दिवाली पर्व पर लगने वाली दुकाने भी नियम अनुसार ही लग सके।

मानदेय देना सौगात नहीं

प्रदेश भर में शिक्षकों की कमी के चलते शासन द्वारा अस्थाई रूप से अतिथि शिक्षक रखे गए हैं। अतिथि यानी न उनके आने की तय तिथि और न ही जाने की तय तिथि। पिछले 10-12 वर्षो से प्रदेश की शिक्षण व्यवस्था संभाल रहे इन अतिथि शिक्षकों को शासन द्वारा महीने के हिसाब से नाम मात्र का मानदेय दिया जाता है वह भी अनियमित रूप से। ऐसे में कई शिक्षकों को अपनी ग्रहस्थी चलना दुर्भर होता है। कई बार अतिथि शिक्षकों ने प्रदर्शन किया बावजूद इसके सरकारी नीति में कोई बदलाव नहीं आया। प्रति माह नियमित मानदेय मिलना उनका अधिकार है और सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन सरकार अपनी जिम्मेदारी समय पर नही निभा पाती है। पिछले वर्ष भी अतिथि शिक्षकों को 6-7 माह का भुगतान एक साथ किया गया था। इस सत्र में भी अभी तक तीन माह में एक बार भी सरकार मानदेय भुगतान नहीं कर पा रही है और दिवाली के पहले एक साथ तीन माह का मानदेय भुगतान करने संबंधी आदेश को अपनी उपलब्धि बताकर यह प्रचलित कर रही है कि, सरकार अतिथि शिक्षकों को एक साथ तीन माह का मानदेय देकर उनको सौगात दे रही है। यह सौगात नहीं सरकार की विफलता है।

वसूली, गोलियां और दहशत गैंग ऑपरेशन का खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की 300 पन्नों की एक रिपोर्ट से बड़ा खुलासा हुआ है कि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने जेल से ही अपना आपराधिक नेटवर्क ऑपरेट किया। उसने कबूल किया कि गैंग का खर्च चलाने के लिए उसे पैसों की जरूरत थी, जिसके लिए उसने जेल से रंगदारी वसूली शुरू की। जो पैसा नहीं देता था, उस पर वह गोलियां चलवाता था। उसका मकसद था कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और चंडीगढ़ में उसकी गैंग की दहशत फैले।

2021 में तैयार की गई इस रिपोर्ट में लॉरेंस बिश्नोई ने अपने अपराधी बनने से लेकर बड़े स्तर पर आपराधिक नेटवर्क खड़ा करने तक की पूरी कहानी बताई है। बिश्नोई फिलहाल गुजरात की साबरमती जेल में बंद है, लेकिन उसका गैंग अभी भी सक्रिय है। सलमान खान के घर पर फायरिंग हो या फिर 12 अक्टूबर को मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश, इन सभी मामलों में पुलिस को लॉरेंस बिश्नोई पर ही शक है। सवाल उठता है कि आखिरकार जेल में होने के बावजूद लॉरेंस का नेटवर्क कैसे ऑपरेट हो रहा है और उसे फंडिंग कहां से मिल रही है?

दिल्ली पुलिस की रिपोर्ट में लॉरेंस बिश्नोई के कबूलनामे का जिक्र है। उसने अपनी आपराधिक गतिविधियों में संदीप उर्फ काला जठेड़ी और वीरेंद्र उर्फ काला राणा के साथियों को थाईलैंड भेजने की बात मानी। नकली पासपोर्ट के जरिए ये लोग थाईलैंड पहुंचे, जहां से हत्या और फिरौती का काम चलाया गया। लॉरेंस ने बताया कि गैंग का पूरा संचालन इंटरनेट वॉयस कॉल के जरिए होता था। थाईलैंड को गैंग के लिए कंट्रोल रूम की तरह इस्तेमाल किया जाने लगा।

लॉरेंस के अनुसार, विदेश में रह रहे उसके दोस्तोंकृगोल्डी बराड़, करण, और सैमकृने गैंग को सपोर्ट करने के लिए हवाला के जरिए पैसे भिजवाने शुरू किए। भारत में गैंग के अन्य सदस्य राजकुमार के संपर्क में रहते थे, जो थाईलैंड से पूरी गतिविधियों का संचालन कर रहा था।

2020 में बीकानेर के जुगल राठी और एलडी मित्तल पर फायरिंग करके करोड़ों की फिरौती वसूली गई, जिससे गैंग का नेटवर्क मजबूत बना रहा। एनआईए की जांच में यह भी सामने आया कि दिल्ली का मनीष भंडारी लॉरेंस गैंग के लिए हवाला के जरिए पैसा ट्रांसफर करता था, और फिलहाल वह थाईलैंड में रह रहा है।

विमानों को एक के बाद एक धमकियों के बाद 'एक्स' को मोदी सरकार की फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी।

हाल ही में विभिन्न एयरलाइनों के विमानों को 100 से ज्यादा धमकियां मिली हैं, जिसमें बम से उड़ाने की चेतावनियाँ शामिल हैं। इन धमकियों को लेकर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) को कड़ी फटकार लगाई है, क्योंकि सभी धमकियां इसी प्लेटफॉर्म के माध्यम से दी गई थीं।

संयुक्त सचिव संकेत भोंडवे ने एयरलाइनों और 'एक्स' तथा मेटा जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रतिनिधियों के साथ एक वर्चुअल बैठक में कहा कि वर्तमान स्थिति ऐसी हो गई है कि 'एक्स' पर अपराध को बढ़ावा देने का काम हो रहा है। उन्होंने इन प्लेटफार्मों से खतरनाक अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में भी सवाल किया।

पिछले एक हफ्ते में 30 फ्लाइट्स को धमकियां मिली हैं। एयरलाइनों ने बताया कि उन्होंने मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया और सुरक्षा प्रोटोकॉल को सुनिश्चित किया।

नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने स्पष्ट किया कि सरकार यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इस समस्या का समाधान करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि धमकी देने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें उन्हें नो-फ्लाई सूची में डालने का प्रावधान भी शामिल है।

सरकार ने नागरिक उड्डयन सुरक्षा के विरुद्ध गैरकानूनी कार्यों के खिलाफ कानूनों को सख्त करने की योजना बनाई है। मंत्री ने कहा कि वे कानून में संशोधन के लिए प्रयासरत हैं और सभी आवश्यक मंत्रालयों के साथ परामर्श कर रहे हैं।

इस बीच, मंत्री ने यह भी बताया कि धमकियों की बौछार के पीछे संभावित साजिश की जांच की जा रही है और इसके संबंध में सभी तथ्यों को जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा।

उज्जैन की बेटी निकिता पोरवाल ने बढ़ाया मान, बनी फेमिना मिस इंडिया

माही की गूंज, डेस्क न्यूज।

फेमिना मिस इंडिया 2024 का ग्रैंड फिनाले एक स्टार-स्टडेड इवेंट मुंबई के वर्ली में फेमस स्टूडियो ने भारत की सबसे प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता की 60वीं वर्षगांठ की मेजबानी पिछले दिनो की। आखिरकार अब फेमिना मिस इंडिया 2024 को अपना विजेता मिल गया। शानदार समारोह में मध्यप्रदेश की निकिता पोरवाल को फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 का ताज पहनाया गया। अब वह मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। दादरा और नगर हवेली (केंद्र शासित प्रदेश) की रेखा पांडे को फेमिना मिस इंडिया 2024 की फर्स्ट रनर-अप का ताज पहनाया गया और गुजरात की आयुषी ढोलकिया ने फेमिना मिस इंडिया 2024 की सेकंड रनर-अप का खिताब अपने नाम किया। निकिता पोरवाल, रेखा पांडे और आयुषी ढोलकिया को नेहा धूपिया ने फूलों का गुलदस्ता देते हुए सम्मानित किया। महाकाल की नगरी उज्जैन मध्यप्रदेश की रहने वाली निकिता अब मिस वर्ल्ड कॉम्पिटिशन में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। निकिता पोरवाल को मिस इंडिया बनने पर उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। निकिता ने मुंबई में आयोजित हुई फेमिना मिस इंडिया में खिताब अपने नाम किया है।

कलाल समाज का गौरव, केबिनेट मंत्री ने भी दी बधाई

नई मिस इंडिया उज्जैन के निवासी अशोक पोरवाल की पुत्री है जो कि कलाल समाज से है। निकिता पोरवाल के पिता आयल मिल व्यापारी एवं जिला उज्जैन मेवाड़ा कलाल समाज के अध्यक्ष है। निकिता पोरवाल की सफलता से क्षेत्र वासियो के साथ प्रदेश व देशवासियो कि साथ ही कलाल समाज मे भी हर्ष की लहर है और उनको सामाजिक स्तर पर भी बधाईया समाज के वरिष्ठजनों द्वारा प्रेषित की जा रही हैं। मध्यप्रदेश की केबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया ने भी मिस इंडिया निकिता पोरवाल को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए मिस वर्ल्ड का खिताब जीत कर देश का नाम रोशन करने की कामना की है।

एक्टिंग और एंकरिंग के शोक ने दिलवाई बड़ी सफलता

फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 का खिताब जीतने वाली निकिता पोरवाल ने अपने परिवार और समाज के साथ-साथ पूरे मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया है। आने वाले समय में निकिता पोरवाल मिस वर्ल्ड का प्रतिनिधित्व करने वाली हैं। निकिता शुरू से ही फैंसी ड्रेस जैसी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती थीं। पढ़ाई के साथ-साथ वो एक्टिंग और एंकरिंग भी करती थीं। उन्होंने कई रामलीलाओं में सीता और कृष्ण लीला में राधा का किरदार निभाया है,इसके साथ ही उन्हें फिल्में देखने का भी बहुत शौक है। वो करीब 18 साल की उम्र में टीवी होस्ट बन गई थीं।

पिता ने कहा बैटी ने बढ़ाया मान

निकिता पोरवाल के पिता अशोक पोरवाल का कहना है की बेटी के काम से व उसकी मेहनत से एक पिता को उसकी बैटी के नाम के साथ पहचाना जा रहा है इससे बडी खुशी माता-पिता के लिये क्या होगी बेटी ने देश के साथ समाज व परिवार सभी का मान बढाया है। पिता ने अपनी बेटी की सफलता पर बडा ही हर्ष व्याप्त किया है।

महिला पहलवानों में विवादः बबीता फोगाट का पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी।

हरियाणा चुनाव के बाद महिला पहलवानों के बीच विवाद गहराता जा रहा है। रेसलर साक्षी मलिक के आरोपों का बीजेपी नेता बबीता फोगाट ने कड़ा जवाब दिया है। बबीता ने साक्षी पर बेबुनियाद आरोप लगाने का आरोप लगाते हुए कहा, ÷साक्षी झूठे आरोप लगा रही हैं, कल वह यह भी कह सकती हैं कि बबीता ने ही यौन उत्पीड़न किया है।÷ बबीता का कहना है कि साक्षी बार-बार झूठे आरोपों का सहारा ले रही हैं।

इससे पहले, सोशल मीडिया पर बबीता फोगाट ने तंज कसते हुए लिखा, ÷किसी को विधानसभा मिला, किसी को पद। दीदी, तुम्हें कुछ नहीं मिला, हम समझ सकते हैं तुम्हारा दर्द। किताब बेचने के चक्कर में अपना ईमान बेच दिया।÷ साक्षी मलिक ने आरोप लगाया था कि बबीता फोगाट के उकसाने पर ही पूर्व भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन की शुरुआत हुई थी। साक्षी का यह भी दावा है कि बबीता पर्दे के पीछे से आंदोलन को समर्थन दे रही थीं और वह कुश्ती महासंघ की अध्यक्ष बनने की कोशिश कर रही थीं।

बबीता ने साक्षी के आरोपों का पलटवार करते हुए कहा, 'साक्षी मलिक यह भी कह सकती हैं कि गंगा में मेडल फेंकने की योजना मेरी थी। साक्षी को यह भी बताना चाहिए कि प्रियंका गांधी ने किसके लिए खाना भेजा था और दीपेंद्र हुड्डा प्रदर्शन में क्यों शामिल थे?'

इस बीच, बबीता की बहन गीता फोगाट ने भी साक्षी मलिक की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, ÷कई खिलाड़ी बबीता के नाम का इस्तेमाल करके अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं साफ करना चाहती हूं कि बबीता ने जो भी हासिल किया है, वह अपनी मेहनत और ईमानदारी से किया है।÷

गीता ने यह भी कहा कि बबीता को किसी पद का लालच नहीं है, और जो सच है, वह परेशान किया जा सकता है, परंतु उसे हराया नहीं जा सकता।

खून से सना मिला युवक का शव, पहचान होने के बाद भी पहचान नहीं हुई की बात कहती रही पुलिस

माही की गूंज, खवासा।

पुलिस और पुलिस की कार्यप्रणाली पर कई बार यह समझ में ही नहीं आता है कि, आखिर वह करना व कहना क्या चाहती है...?

मंगलवार को सुबह भामल पंचायत के अंतर्गत ढोलखरा तालाब के समीप खून से सना एक किशोर युवक का शव मिला। युवक की पहचान भी कुछ समय बाद हो गई। तथा सोशल मीडिया पर जहां न्यूज़ पोर्टल के माध्यम से समाचारों में युवक की पहचान दिनेश पिता अरविंद डिंडोर निवासी वडलीपाडा के रूप में पहचान होकर समाचार भी प्रकाशित हो गए। उसके बाद भी खवासा के चौकी प्रभारी हीरालाल मालीवाड़ अपनी नाकामी का परिचय देकर दिन के 12 बजे बाद तक भी पत्रकार व अन्य को भी युवक की पहचान नहीं होना बताते रहे। ऐसे में पुलिस की कार्य प्रणाली संदेह के घेरे में ही रहती है। उक्त युवक सीईओ लक्ष्मण डिंडोर का भतीजा बताया जा रहा है। युवक का एक बड़ा भाई

कुछ वर्ष पूर्व सुसाइड कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर चुका था। वही दिनेश डिंडोर जो किशोरावस्था में ही था, जिसकी उम्र 16 वर्ष के करीब बताई जा रही है और उक्त किशोर की हत्या पत्थर से सिर पर मार-मार कर हत्या किया जाना सामने आ रहा है।

उक्त हत्या जिस तरह से की गई है वह किसी रंजिश का ही कारण हो सकता है, लेकिन इस किशोर युवक से आखिर किसकी रंजिश होगी और क्या रंजिश हो सकती है...? की चर्चा है। माता-पिता व परिजन उक्त हत्या के बाद सदमे में है। पुलिस इस हत्या का खुलासा क्या करती है यह बाद में ही पता चलेगा।

पुलिस ने रतनाली के सरपंच पति राजु की हत्या में भी पूर्व में जो व्यक्ति मर चुका है उसे मुख्य आरोपी बताकर अन्य व्यक्तियों को आरोपित बनाकर मामले का त्वरित चालान पेश कर मामले को रफा-दफा कर दिया। जबकि आज भी क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है कि, राजू के हत्यारे खुले ही घूम रहे होंगे।

किशोर दिनेश की मौत भी क्षेत्र में संशय बनी हुई है। आम चर्चा में यह भी सामने आ रहा है कि, दिनेश ने परिचितो को फोन लगाकर अपनी मौत के 1 दिन पूर्व अपनी ही दुर्घटना होना बताकर उधार में पैसा मांगा। बाद में पता चला कि, उसके साथ कोई दुर्घटना नहीं हुई बल्कि वह नशा करने के लिए पैसा मांग रहा था!

मादलदा के 3 युवकों की हुई दुर्घटना में मौत भी संशय बनी हुई है और उक्त मामले को भी पुलिस ने गंभीरता से नहीं लिया था। नतीजन पुलिस को मुंह की खाकर मादलदा से आम लोगों से पीट कर भाग कर आना पड़ा था। वो ही पुलिस जो किशोर दिनेश की पहचान होने के बाद भी मीडिया को पहचान नहीं होने की बात कहने वाली पुलिस उक्त दिल दहला देने वाली किशोर दिनेश की हत्या का खुलासा क्या व किस तरह से करती है यह तो आगे ही पता चलेगा।

नए थाना प्रभारी ने लिया चार्ज, आते ही मिली बड़ी चुनौती

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

राजनीतिक और प्रशासनिक उठापटक के बाद आखिरकार थाना प्रभारी प्रदीप वाल्टर की रवानगी हो गई, और विवादित पूर्व थाना प्रभारी दिनेश शर्मा ने मंगलवार को तीसरी बार पेटलावद थाने का पदभार संभाला। पेटलावद थाना क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब, सट्टा, और नशे का कारोबार चरम पर है। पिछले एक वर्ष में कई अवैध शराब की गाड़ियाँ पेटलावद थाना क्षेत्र में पकड़ी गई हैं। वहीं, नशे और सट्टे के मामले भी आते रहे हैं। इन अवैध धंधों पर नकेल कसना नए थाना प्रभारी के सामने बड़ी चुनौती होगी।

एक साथ हुई तीन वारदात

मंगलवार को नए थाना प्रभारी पेटलावद पहुँचे, लेकिन उनसे पहले सोमवार को चोरों और लुटेरों ने उनकी चुनौती बढ़ा दी। नगर के बीचों-बीच अपराधियों ने अलग-अलग वारदातों को अंजाम दिया। सोमवार सुबह लगभग साढ़े दस बजे अज्ञात बदमाशों ने मोहित पिता मेघसिंह पचाया को बातों में उलझाकर अशोका रेस्टोरेंट के सामने सुनसान गली में ले जाकर हाथ से चांदी का कड़ा और मोबाइल लूट लिया।

एक अन्य वारदात में मॉडल स्कूल के चार छात्र, जो प्रैक्टिकल की सामग्री लेने के लिए शाम लगभग चार बजे नाकोड़ा स्टेशनरी पर पहुँचे थे, वहाँ अपने वाहन और स्कूल बैग रखकर गए। अपराधियों ने मोटरसाइकिल पर रखे चारों छात्रों के बैग चुरा लिए। चारों छात्र ग्राम रामगढ़ के बताए जा रहे हैं, जिनके परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। मिली जानकारी के अनुसार, अजब बोराली के अन्य दो छात्रों के साथ भी इसी स्थान पर ऐसी वारदात हुई है।

शाम होते-होते चोरों ने गांधी चौक से लगे भोई मोहल्ले से एक दुपहिया वाहन चोरी की वारदात को अंजाम दिया। आनंदीलाल, पिता तेजा मुनिया, निवासी नई बस्ती पेटलावद, खरीदारी के लिए आए थे। अपना दुपहिया वाहन खड़ा कर बाजार गए, लेकिन लौटने पर वाहन नहीं मिला। आनंदीलाल ने थाना पेटलावद में वाहन चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

इसके अलावा, पेटलावद थाना क्षेत्र के बामनिया चौकी क्षेत्र में सुबह चार बजे दो दुपहिया वाहन चालकों के साथ लूट और मारपीट की एक वारदात होने की जानकारी भी मिली है।

28 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा दीपोत्सव

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार दीपावली के पूर्व वोकल फॉर लोकल की थीम पर दीपोत्सव का आयोजन 26 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक आजीविका भवन कला दीर्घा में किया जाएगा। दीपोत्सव 2024 का उद्देश्य जिले में राष्ट्रीय आजीविका मिशन की दीदियों, दिव्यागजनों, जिला जेल के कैदियों, बाल संप्रेक्षण गृह के बालकों के स्टॉल लगा कर व्यापार के माध्यम स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और जिलेवासियों में स्थानीय रूप से उपलब्ध साधनों का महत्व बताना हैं। साथ ही आयुष विभाग, उद्यानिकी विभाग एवं कृषि विभाग द्वारा विभिन्न सामग्रियों के स्टॉल लगाये जायेंगे।

दीपोत्सव 2024 के विषय में कलेक्टर नेहा मीना ने बताया कि, हमारा जिला अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिये जाना जाता है और जब इस विरासत के माध्यम से जिलेवासियों को स्थानीय स्तर पर ही मार्केटिंग के नये अवसर उपलब्ध कराना लक्ष्य है। साथ ही युवा वर्ग मे भी स्थानीय स्तर पर जिले की सांस्कृतिक विरासत के महत्त्व को प्रदर्शित किया जाना इस दीपोत्सव का लक्ष्य है।

दीपोत्सव 2024 में आकर्षण के केन्द्रः-

दीपोत्सव 2024 में दिव्यांगजनों द्वारा लगाई जाने वाली स्टॉल दाले, मिर्ची पाउडर, विभिन्न प्रकार के मसालें, मोटे अनाज का आटा, तीर कमान, गोफन नाईट लैंप, बांस के आइटम एवं अन्य सामग्री, एनआरएलएम की दीदियों द्वारा निर्मित सामग्री दीपावली पूजन की सामग्री, आदिवासी गुडिया, मिटटी के दीपक, अचार, पापड, दौना पत्तल, मसाले,गलसन मोती माला, बांस टोकरी झाडू निर्माण, दीया बत्ती, बाल संप्रेक्षण गृह के बालकों द्वारा निर्मित दीपावली पर उपयोग में आने वाली सजावटी सामग्री, जिला जेल के कैदियों द्वारा निर्मित सजावटी सामग्री के स्टॉल लगाये जायेंगे। साथ ही उद्यानिकी विभाग के द्वारा पौधो एवं खाद्य प्रसंस्करण के उत्पाद, आयुष विभाग के द्वारा औषधिय पौधे जिसमे सेहजन,पत्थरचट्टा, आंवला, तुलसी एवं जड़ी बूटी और कृषि विभाग के द्वारा मोटा अनाज और दालों के स्टॉल लगाये जायेगे।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदन दिव्यांग महिला की अतिथि शिक्षक में नियुक्ति

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर नेहा मीना द्वारा तहसील स्तरीय विशेष जनसुनवाई के माध्यम से समस्याओं के निराकरण का विकेंद्रीकरण किया गया। इसी तारतम्य में कलेक्टर के समक्ष उपस्थित होकर श्रीमती प्रियंका पाटीदार निवासी ग्राम बरवेट विकास खंड पेटलावद द्वारा प्राथमिक विद्यालय बरवेट में अतिथि शिक्षक वर्ग 3 में नियुक्ति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसपर कलेक्टर द्वारा त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था।

प्राथमिक विद्यालय बरवेट में रिक्त पद नही होने से श्रीमती प्रियंका पाटीदार से अन्य संस्था हेतु सहमति चाही जाने पर संबंधित ने दूर होने से असहमति जाहिर की गई। अतः संकुल केंद्र उमावि बरवेट में प्राथमिक विद्यालय कुंवारझर में शाला प्रबंधन समिति की बैठक में लिए निर्णय एवं प्रस्ताव अनुरूप अतिथि शिक्षक वर्ग 3 हेतु आमंत्रित किया गया है। जिसपर श्रीमती पाटीदार द्वारा सहमति देकर 22 अक्टूबर से उपस्थिती देकर शिक्षण कार्य प्रारम्भ कर दिया। आवेदन पर त्वरित कार्यवाही कर रोजगार प्राप्त होने पर श्रीमती पाटीदार द्वारा कलेक्टर नेहा मीना को धन्यवाद दिया।

खुला पेट्रोल बेचने वाले दुकानदारों को चेतावनी दी गई

माही की गूंज, झाबुआ। खाद्य औषधि प्रशासन, नापतौल, राजस्व एवं पुलिस प्रशासन द्वारा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र काकनवानी में खुले में पेट्रोल बिक्री करने वाले मालिक और संचालको खुले में पेट्रोल न क्रय करने की सख्त हिदायत दी गई एवं टीम द्वारा मौके पर पाए गए पेट्रोल को हटवाया गया। समस्त सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों से अपील की जाती है कि, इस तरह से खुले में पेट्रोल ना बेचा जावे। पेट्रोलियम पदार्थ अतिज्वलनशील पदार्थ होकर कभी भी आगजनी, अन्य घटना घटित हो सकती है। खुले में पेट्रोल बिक्री करना पूर्णतः अवैध होकर आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा के तहत दंडनीय है। जिला प्रशासन झाबुआ द्वारा चेतावनी एवं सख्त हिदायत के बावजूद भविष्य में इस तरह से खुले में पेट्रोल बिक्री करते हुए पाए जाने पर प्रकरण निर्मित कर पुलिस थाने में संबंधित पेट्रोल विक्रय करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राहुल अलावा, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुरेश तोमर, नापतोल विभाग कपिल कम, पुलिस थाना काकनवानी से उपनिरीक्षक गोविंद बमदारे द्वारा काकनवानी में भ्रमण कर अवैध खुले में पेट्रोल विक्रय करने वाले संचालकों को खुले में पेट्रोल नहीं बेचने की हिदायत दी गई है।

शासकीय जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई

माही की गूंज,झाबुआ।

झाबुआ क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की दो कार्यवाहियां की गई। जिसमे ग्राम बिलीडोज तहसील झाबुआ में शासकीय भूमि सर्वे नम्बर 309/2 में से 3600 वर्ग मीटर वाणिज्यकर विभाग झाबुआ को कार्यालय भवन निर्माण हेतु कलेक्टर नेहा मीना द्वारा आवंटित की गई थी। इस भूमि पर स्थानीय व्यक्तियों द्वारा कृषि कार्य किया जा रहा था, जिसे बुधवार को तहसीलदार सुनील डावर एवं नायब तहसीलदार श्रीमती नमिता राठौर मय राजस्व टीम सहित वाणिज्यकर विभाग के अधिकारी एवं निर्माण एजेंसी की उपस्थिति में अतिक्रमण हटाकर कार्य प्रारम्भ करवाया गया।

अन्य कार्यवाही जनसुनवाई में ग्राम दोतड़ में चरनोई भूमि पर अतिक्रमण को हटाए जाने हेतु आवेदन दिया गया था। जिसका प्रकरण राणापुर तहसील में दर्ज था जिसपर कार्यवाही करते हुए तहसीलदार राणापुर सुखदेव डावर एवं राजस्व पुलिस प्रशासन की टीम द्वारा ग्राम दोतड़ मे स्थित भूमि रकबा लगभग 1.5 हेक्टेयर मद चरनोई भूमि पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।

खंडवा जिले के ग्राम पंचायत के सरपंच सारंगी ग्राम के विकास को देखने पहुंचे

माही की गूंज, सारंगी।

लगातार 25 वर्षों से सरपंच पद पर रहकर ग्राम पंचायत सारंगी के विकास के लिए सदैव तत्पर रहने वाली फूनंदी बाई मेडा के ग्राम विकास को देखने के लिए खंडवा जिले के सरपंच एवं पच सारंगी ग्राम पंचायत पर पहुंचकर ग्राम विकास की जानकारी ली। ग्राम पंचायत भवन पर एक विशेष सभा का आयोजन भी रखा गया। जिसमें सरपंच ने किस प्रकार से ग्राम में विकास किया एवं केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। ग्राम विकास के लिए हमेशा प्रशासन से लड़-झगड़ कर काम लाकर ग्राम का विकास किया। खंडवा से आए हुए सभी सरपंचों ने सारंगी सरपंच की तारीफ की, ग्राम पंचायत सारंगी सरपंच एक बार राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मानित हो चुकी है।

प्रतीको का मोहताज नही न्याय

कुछ माह पहले सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चन्द्रचूड़ ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के पुस्तकालय में न्याय-देवी की नई प्रतिमा का अनावरण किया था। ऐसा विचार है कि न्यायाधीशों की गैलरी की दीवार पर उकेरे गए एक भित्ति चित्र ने सीजेआई को भारतीय न्याय प्रणाली की विकसित प्रकृति का दस्तावेजीकरण करने के लिए न्याय प्रतिमा का भारतीयकरण करने का विचार दिया होगा। भित्ति चित्र में न्याय-देवी को एक भारतीय देवी के परिधान में चित्रित किया गया है, जिसकी आंखें खुली हैं और आंखों पर पट्टी भी नहीं है, पारम्परिक तलवार के स्थान पर देवी के हाथ में एक किताब (परिकल्पना है कि यह भारत का संविधान है) दिखाई देती है, जो इस बात का प्रतीक है कि नए भारत में न्याय अंधा नहीं है, और न ही केवल सज़ा देना न्याय प्रणाली का एकमात्र उद्देश्य है।

लम्बे समय से न्यायपालिका और कानूनी संस्थानों से जुड़ी न्याय-देवी की प्रतिमा के डिजाइन में संशोधन को कुछ कानूनी जानकार और मीडिया के लोग भारत की न्याय प्रणाली को उपनिवेशवाद की छाया से बाहर निकालने की कवायद के रूप में भी देख रहे हैं, यद्यपि ऐसा प्रतीत नहीं होता है।

न्याय-देवी की अवधारणा, चाहे वह पेंटिंग, मूर्ति अथवा धातु की मूर्ति के रूप में हो, दुनिया के लिए नई नहीं है। यह प्राचीन यूनान और मिस्र की सभ्यताओं से जुड़े मिथकों में हजारों वर्ष पहले से मौजूद रही है। ग्रीक देवी थेमिस, कानून, व्यवस्था और न्याय का प्रतीक मानी जाती है। मिस्र के लोग 'मात' को न्याय का प्रतिरूप मानते रहे हैं जिसके हाथ में तलवार और सत्य के पंख होते हैं। न्याय की देवी का सबसे सीधा और सरल प्रतिरूपण रोमन सभ्यता में देवी जस्टिसिया को माना गया है, जिसकी छवि आधुनिक समय में बनाई गई न्याय-देवी की प्रतिमा से मेल खाती है। देवी जस्टिसिया नैतिकता और न्याय निरूपण करने वाली मानी जाती रही है।

न्याय-देवी की प्रतिमा का कोई सार्वभौमिक डिजाइन नहीं है और इसका स्वरूप अलग-अलग देशों में भिन्न-भिन्न अंगीकृत किया गया है। कुछ स्थानों पर न्याय-देवी को सर्प को कुचलते हुए चित्रित किया गया है जो यह प्रदर्शित करता है कि दुराचारियों और भ्रष्टाचार पर अन्ततः न्याय की ही जीत होती है। वहीं दूसरी ओर कुछ प्रतिमाओं में सर्प गायब है। भारतीय न्याय-देवी की नई प्रतिमा में भी सर्प दिखाई नहीं देता है।

न्याय की प्रतिमा के सभी रूपों में तराजू दृष्टिगोचर होती है जो न्याय में निष्पक्षता और न्यायाधीशों द्वारा उनके समक्ष प्रस्तुत सभी साक्ष्यों को परखने के उनके दायित्व का बोध कराती है। न्याय-देवी की प्राचीन प्रतिमाओं में उसकी आंखों पर काली पट्टी नहीं होती थी, आंखों पर काली पट्टी का प्रचलन पहली बार सोलहवीं शताब्दी में शुरू हुआ था। ज़ाहिर तौर पर उस समय काली पट्टी इस बात की प्रतीक थी कि न्याय प्रणाली में कई निर्दोष लोग भी कानून की अज्ञानता और पेचीदगियों के कारण भुक्तभोगी होते हैं। कालान्तर में काली पट्टी को कानून की निष्पक्षता और कानून के समक्ष सब की बराबरी के रूप में देखा जाने लगा। काली पट्टी इस बात के प्रतीक के रूप में स्थापित हो गई कि न्याय के सामने

राजनीति, धन-दौलत और शोहरत मायने नहीं रखती।

उच्चतम न्यायालय ने गोधरा दंगों की पीड़िता जाहिरा शेख के मामले में वर्ष 2004 में न्याय-देवी की आंखों पर बंधी काली पट्टी की व्याख्या की थी जब जाहिरा तीन बार अदालत के सामने अपने दिये गये बयानों से मुकर गई थी। अदालत ने कहा था कि काली पट्टी केवल एक झीना पर्दा है जिसे उठाकर अदालतों को यह देखना चाहिए कि उनके समक्ष उपस्थित व्यक्ति कौन है और वह कैसे व्यवहार कर रहा है। इस प्रकार भारतीय उच्च न्यायालय ने काली पट्टी को एक पारदर्शी पर्दे की संज्ञा देकर यह साबित किया था कि कानून अंधा नहीं हो सकता और उसमें परिस्थितियों को देखने की क्षमता है।

न्याय-देवी की नई प्रतिमा की आंखों से हटाई गई पट्टी को न्याय-विशेषज्ञों द्वारा एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें न्याय वादियों की हैसियत और धन-दौलत से प्रभावित नहीं होगा। प्रधान न्यायाधीश चन्द्रचूड़ ने भी आंखों पर पट्टी को हटाने को यह कहते हुए उचित ठहराया है कि कानून अंधा नहीं होता है, वह सभी को समान रूप से देखता है।

दूसरी ओर, विभिन्न बुद्धिजीवियों और दार्शनिकों का मानना है कि न्याय-देवी की आंखों से पट्टी को हटा देने और हाथ में तलवार के स्थान पर संविधान की प्रति धारण करवा देने को न्याय की अवधारणा का भारतीयकरण नहीं माना जा सकता, जैसा कि कुछ अति-उत्साही समूहों द्वारा प्रचारित किया जा रहा है। उनका मानना है कि वैदिक तथा पौराणिक मिथकों में शनि देव और यमराज को न्याय के देवता के रूप में प्रतिबिम्बित किया जाता रहा है, शनि देव जीवित व्यक्तियों और यमराज मृतकों के साथ न्याय करते हैं। यदि न्याय-देवी का भारतीयकरण करना ही था तो इन देवताओं में से किसी को भी न्याय का प्रतीक मान लेना ज्यादा उचित होता।

आलोचकों का यह भी तर्क है कि न्याय-देवी के हाथ में तलवार के स्थान पर संविधान की प्रति को थमाना भी युक्तिसंगत नहीं है। परम्परागत रूप से प्रत्येक भारतीय देवी-देवता के शरीर पर कोई न कोई अस्त्र-शस्त्र विभूषित होता है जो यह संदेश देता है कि उनमें दुष्टों के दमन करने की शक्ति भी निहित है। तलवार अदालत के फैसलों को हर हालत में लागू करवाने और बुराइयों के नष्ट करने का प्रतीक है, जबकि संविधान की किताब कानून के महत्व को दर्शाती है। वस्तुतः न्याय अधूरा है जब तक उसे लागू करने के लिए न्याय प्रणाली के हाथ में दमनकारी शक्तियां न हो।

के.पी.सिंह

कानून और न्याय दो अलग-अलग अवधारणाएं हैं। ऑल इंडिया जजिज प्रकरण (1992) में जस्टिस कृष्णा अय्यर ने कहा था कि कानून लक्ष्य को प्राप्त करने का एक जरिया होता है और न्याय ही वह लक्ष्य है। इसलिए शस्त्र के बिना न्याय-देवी की प्रतिमा अधूरी ही है क्योंकि इसमें न्यायालय के फैसले को लागू करने वाले दमनकारी अस्त्र-शस्त्र का समावेश नहीं है। वह न्याय अधूरा ही रहेगा जिसे लागू न किया सके।

कुछ मीडिया की रिपोर्टों में यह कहा जा रहा है कि न्याय-देवी की नई प्रतिमा न्याय प्रणाली के उपनिवेशवाद से मुक्ति का प्रतीक भी है। यह कथन सही प्रतीत नहीं होता है क्योंकि न्याय की अवधारणा का प्रतिरूपण हजारों वर्ष पुराना है जबकि उपनिवेशवाद उसके बहुत बाद की हकीकत है।

इसलिए, यही सही होगा कि न्याय-देवी की नई प्रतिमा के प्रतीकों में ज्यादा कुछ न पढ़ा जाए, हालांकि कला के रूप में उनके ऐतिहासिक महत्व को नकारा नहीं जा सकता। न्याय प्रतीकों का मोहताज नहीं है, उसके अनेक आयाम और रंग हैं। अदालतों के बाहर न्याय की प्रतीक्षा में घूम रहे लोगों के चेहरों पर पढ़ा जा सकता है और समाज में व्याप्त शान्ति और व्यवस्था ही न्याय का सही निरूपण करते हैं।

अधिक बारिशः गतवर्ष से बढ़ेगा रबी की फसल का रकबा

माही की गूंज, बरवेट। जगदीश प्रजापति

रवि की फसल के लिए खेत तैयार करते किसान।

जिले में एक ओर खरीफ फसल की खेती अभी खेतों में ही है, वहीं दूसरी ओर जिला कृषि कार्यालय रबी फसल को लेकर लक्ष्य निर्धारित करते हुए उसकी तैयारी में जुट गया है। जिला कृषि अधिकारी नागिन रावत ने बताया कि इस वर्ष एक लाख 34 हजार 873 हेक्टेयर में रबी का अनुमानित रकबे का लक्ष्य रखा है। जो कि पिछले वर्ष से छह हजार हेक्टेयर रकबा ज्यादा है। पिछले साल एक लाख 28 हजार 961 हेक्टेयर में रबी फसल की खेती की गई थी। इनमें सबसे अधिक गेहूं की खेती एक लाख दो हजार 567 हेक्टेयर में, मक्का की खेती 5967 हेक्टेयर, चना की खेती 19192 हेक्टेयर में की गई थी। इस साल 5 प्रतिशत अधिक लक्ष्य रखने की कृषि विभाग द्वारा रखा गया है। लक्ष्य के मद्देनजर जिले सभी ब्लाक कृषि अधिकारी को रबी फसल के लिए ब्लाक स्तर पर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप 100 फीसदी रबी सीजन की बुआई करने की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिए गए है। गौरतलब है कि जिले में गेहूं और चना की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है। जिले के किसानों के आय का मुख्य साधन गेहूं, चना की खेती ही है। इसके अतिरिक्त मक्का की खेती करने वाले किसानों की संख्या भी अच्छी खासी है। साथ ही मटर की खेती भी की जाती है।

जल स्त्रोत लबालब

ओसत से डेड गुना अधिक बरसात होने से रबी फसलों के लिए परिस्थिति अनुकूल बनने के साथ ही किसानों के लिए भी बोवनी की राह आसान हो गई है। जिले में अब तक सामान्य औसत कोटे से 150 प्रतिशत अधिक पानी गिरा है। जिसके फलस्वरूप माही डेम के चारों बांध क्षमता के अनुरूप भरने के अलावा जल संसाधन विभाग के सभी जलाशय और तालाब लबालब हो गए। धरती तर और जलाशयों में पर्याप्त मात्रा में पानी की उपलब्धता को देखते हुए कृषि विभाग ने रबी की बोवनी का लक्ष्य इस बार पांच फीसदी बढ़ाया है।

ओसत से अधिक बरसात हुई

जिले में इस बार 150 फीसदी वर्षा हुई है। जो कि जिले की ओसत वर्षा से डेढ़ गुना अधिक है। इसका असर है कि पहली बार जिले में रबी सीजन में एक लाख 34 हजार 873 हेक्टेयर में रबी फसलों की बोवनी की जाएगी। खास बात यह है कि अब तक सबसे कम होने वाली फसल चना का रकबा भी पहली बार दो हजार हेक्टेयर तक बड़ा है। जिसमें पिछली बार की तुलना में मटर का रकबा बड़ा।

नागिन रावत कृषि जिला अधिकारी झाबुआ का कहना है कि इस बार औसत से अधिक हुई बरसात का दौर सीजन के अंत तक चला है। जिसके कारण रबी का रकबा बड़ा है।

निशुल्क का लगने लगा कई गुना शुल्क, तो नकल शाखा में भारी लापरवाही, एसडीएम को दर्ज करवाई शिकायत

माही की गूंज, पेटलावद।

तहसील कार्यालय में जो नि-शुल्क आवेदन करने की मुहिम तहसीलदार व एसडीएम द्वारा चलाई गई भी उक्त मुहिम के अन्तर्गत कार्य करने वाले लोगो द्वारा गरीब आदिवासीयो से अवैधानिक रूप से पैसे वसुल कर एक आवेदन के 100 से 150 रूपये वसूले जा रहे । वही नकल शाखा में हो रही भारी लापरवाही और सरकारी रिकॉर्ड के साथ हेराफेरी के सम्बंध में आदिवासी नेता कलसिंह भूरिया ने एसडीएम को लिखित शिकायत पेश कर कार्यवाही की मांग की है ।

कलसिंह भूरिया ने बताया कि, तहसील कार्यालय पेटलावद आदिवासी कृषक किसानो से व तहसील में आने वाले प्रार्थीगणो से आवेदनो के संबंध में अधिक राशी वसुली जा रही थी जिस संबंध में राजस्व के द्वारा कार्यवाही करते हुऐ पूर्व में कार्यरत लोगो को हटा कर अन्य लोगो को बैठाया गया और आदेश दिये गये थे कि, अब से आवेदनो को नि-शुल्क देना होगा किन्तु कुछ समय तक तो श्रीमान के आदेशो का पालन किया गया लेकिन अब उक्त लोगो द्वारा ही अवैधानिक रूप से वसुली की जा रही है। प्रत्येक आवेदन के लिये 100 से 150 रूपये की वसुली की जा रही है। जिससे स्पष्ट रूप से प्रतित होता है। आदिवासीजनों को कोई फायदा नही मिल पा रहा हैं और एक पक्ष को हटा कर दुसरे पक्ष को वहा बैठा दिया गया है। इस सम्बंध में अधिकारियो को शिकायतकर्ता ने वीडियो प्रमाण भी प्रस्तुत किये हैं।

नकल शाखा में भारी लापरवाही

एक अन्य शिकायत से आदिवासी नेता कलसिंह भूरिया ने बताया कि, कार्यालय पेटलावद में जो नकल शाखा स्थित होकर पुराने रेकार्ड की फोटो-कापी हेतु बाहर के निजी प्रतिष्ठान की मशीनों का उपयोग नकले प्रदान की जाती है उसे रोकते हुए उक्त विभाग को असल काफी की नकल कापी हेतु मशीने प्रदान की गई है। उक्त मशीनी का उपयोग करते हुए सुविधा तहसील कार्यलय में चालु किये जाने की मांग की है। शिकायतकर्ता के अनुसार विभागीय कार्य हेतु तथा नकल प्रोवाईट करवाने हेतु शासन द्वारा मशीने विभागो को दि हुई उक्त मशीनो का उपयोग कार्यालय द्वारा नही किया जा रहा है। जिससे की विभाग के कर्मचारीयो द्वारा बहारी निजी दुकानो पर फोटोकापी के लिये जाना पडता है। जिससे की मनमाने तरीके से फोटोकापी की राशी उक्त निजी दुकानो द्वारा वसुल की जा रही है। उक्त शासकीय दस्तावेजो की गोपनियता भी समाप्त होती जा रही है। वर्तमान में नकल शाखा में पूरानी नकले लेने हेतु आवेदन किया जाता है तो नकल शाखा प्रभारी द्वारा रेकार्ड देखने के बावजुद भी कई रेकार्ड उपलबध नहीं हो पाते है। फिर जिला स्तरीय कार्यवाही किये जाने के बाद उक्त नकले प्रदान की जाती है। इस संबंध भी उचित कदम उठाये जाने की मांग की है।

अधिकारीयो की नाक के नीचे लापरवाही तो बहार क्या...?

जिस प्रकार की लापरवाही सामने आई है ये सब अधिकारीयो की नाक के नीचे हो रही है और अधिकारियों को इसकी हवा तक नही है। पूर्व में भी इस प्रकार के वीडियो वायरल होने और शिकायत होने पर विभाग के अधिकारी हरकत में आये थे ।

श्री राधा रसामृत कथा का वाचन

नगर की बेटी द्वारा प्रथम बार

माही की गूंज, पेटलावद।

पहली बार पेटलावद नगर की बेटी सुश्री वैष्णवी भट्ट के द्वारा श्री राधा रसामृत कथा का वाचन 6 नवम्बर से 10 नवम्बर तक स्थानीय निलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर प्रतिदिन दोपहर 12:15 बजे से 3:30 बजे तक किया जायेगा। जिसमें प्रतिदिन सुबह 9 बजे से 10:30 बजे तक भगवान कृष्ण,राधा जी और भगवान शिव का अभिषेक पूजन किया जायेगा। जिसमें प्रतिदिन पांच यजमान अभिषेक का लाभ लेंगे।

नगर में प्रथम बार होने जा रही श्री राधा रसामृत कथा की तैयारियों को लेकर समिति पूर्ण उत्साह से कार्य करते हुए भक्तों को अधिक से अधिक संख्या में जोडने के प्रयास कर रही है।

राधा जी की कथा पहली बार

श्रीजी पथ और राधा माधव भक्त मंडल के सदस्यों ने अपील की है कि नगर में प्रथम बार होने जा रही राधा जी की कथा में अधिक से अधिक भक्त जुडे और राधा रानी के अभिषेक के लिए यजमान अपना नाम भी पूर्व से रजिस्टर्ड करवा लेवे ताकी उन्हें अभिषेक का लाभ मिल सके ।आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिसमें सर्वानुमति से निर्णय हुआ की प्रथम दिन सुबह 9 बजे स्थानीय गुरूद्वारे से कथा पौथी और भगवान की मूर्तियों को शोभायात्रा के रूप में कथा स्थल निलकंठेश्वर महादेव मंदिर तक ले जाया जायेगा। जिसके पश्चात मंदिर पर अभिषेक प्रारंभ होगा और उसके पश्चात दोपहर 12:15 बजे से कथा प्रारंभ होगी। इसके पश्चात द्वितीय दिवस राधाजी का विवाहोत्सव का आयोजन रखा गया है। जिसके पश्चात तृतीय दिवस 8 नवम्बर को महारास और फाग उत्सव का आयोजन किया जायेगा। इसके साथ ही 10 नवम्बर को कथा की पूर्णाहुति होगी।

प्रशासन व जनप्रतिनिधियों का आश्वासन धरा के धरा, पाटीदार समाज ने उठाया मंदिर निर्माण का बीड़ा

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

मध्यप्रदेश में भाजपा अपनी चौथी पारी खेल रही है। वहीं चुनावो के समय धार्मिक आस्थाओं, हिंदुत्ववादी एवं राम के नाम पर विजय होने हेतु अपना मुख्य अभियान भाजपा चलाती है।

बात करें सारंगी की तो यहां का लक्ष्मीनारायण मंदिर जो की कलेक्टर जिला झाबुआ के अधीन है। उक्त मंदिर खंडहर की स्थिति में पहुंच चुका था, नतीजन प्रशासनिक नुमाइंदे व जनप्रतिनिधियों ने शासकीय अनुदान दिलवाने का आश्वासन दिया था। उक्त आश्वासन के साथ स्थानीय पाटीदार समाज ने खंडहर हुए लक्ष्मीनारायण मंदिर के जीर्णोद्धार निर्माण का बीड़ा उठाया और पाटीदार समाज ने जनसहयोग के साथ 5 अगस्त 2020 को उक्त मंदिर का जीर्णोद्धार निर्माण हेतु भूमिपूजन किया था।

उक्त मंदिर में जनसहयोग के साथ एक करोड़ ऊपर की राशि एकत्रित कर मंदिर निर्माण का कार्य अपनी भव्यता की ओर है लेकिन अब भी 40 से 50 लाख रुपये की लागत का कार्य अधूरा है।

प्रशासन भी कलेक्टर के अधीन उक्त मंदिर होने के बावजूद उदासीन ही है, नतीजन आज तक अनुदान के नाम की राशि मंदिर निर्माण हेतु नहीं मिली। वहीं क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया से भी अपील अनुदान दिलवाने हेतु कर चुके हैं लेकिन उक्त अपील भी सार्थक होती नहीं दिखाई दे रही है।

इस संबंध में सारंगी में नवनियुक्त नायब तहसीलदार वीरेंद्र सिंह कटारा से चर्चा करने पर उन्होंने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया है कि, शासन-प्रशासन से मंदिर निर्माण हेतु जो भी सहयोग मिलेगा वह मैं दिलाने के लिए पूरी कोशिश करूंगा।

दम तोड़ गया 'वीर', डेढ़ साल पहले रेस्क्यू कर लाया गया था वन विहार

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में डेढ़ साल के संघर्ष के बाद आखिरकार तेंदुआ शावक वीर ने दम तोड़ दिया। छिंदवाड़ा से 3 माह के नर तेंदुआ शावक 'वीर' को रेस्क्यू कर 6 फरवरी 2023 को इलाज के लिए वन विहार लाया गया था। 'वीर' की बीते दिन मृत्यु हो गई। तेंदुआ शावक अत्यंत कमजोर और चलने-फिरने में असमर्थ था। उसका पिछला हिस्सा काम नहीं कर रहा था। वन विहार के संचालक ने बताया कि, नर तेंदुआ शावक का वन्य-प्राणी चिकित्सक वन विहार डॉ. अतुल गुप्ता द्वारा विशेषज्ञों से परामर्श लेकर लगातार इलाज किया गया। इसके बाद भी उसके आंतरिक अंगों में कमजोरी के कारण वह चलने-फिरने में असमर्थ था और उसमें अपेक्षित सुधार भी नहीं हो रहा था। उन्होंने बताया कि मृत नर तेंदुआ शावक का पोस्टमार्टम चिकित्सक दल डॉ. अतुल गुप्ता, डॉ. हमजा नदीम और डॉ. रजत कुलकर्णी ने किया था।

मृत शावक के सैंपल जमा कर जांच के लिए स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक हेल्थ जबलपुर और डीआई लैब भोपाल में भेजे गए हैं। पोस्टमार्टम के बाद मृत नर तेंदुआ शावक का नियमानुसार वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में दाह संस्कार किया गया।

पाटीदार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त

माही की गूंज, पेटलावद।

कांग्रेस नेता एवं ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश मुथा द्वारा विगत दिनों पारिवारिक कारणों ओर खराब स्वास्थ्य के चलते कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा देकर कांग्रेस की प्राथमिकता सदस्यता भी छोड़ दी थी। जिसके बाद से पेटलावद ब्लॉक में कांग्रेस नए चेहरे की तलाश में थी जो कि युवा कांग्रेस नेता जितेंद्र पाटीदार पर समाप्त हुई। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पेटलावद ब्लॉक कांग्रेस का नया अध्यक्ष युवा कार्यकर्ता जितेंद्र कुमार पाटीदार को नियुक्त किया है। पाटीदार की नियुक्ति पर इष्ट मित्रों व पार्टी कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर खुशी जाहिर की ओर शीर्ष नेतृत्व का आभार माना।

कुछ समय पूर्व ही शामिल हुए कांग्रेस में

कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष बनाये गए जितेंद्र पाटीदार पूर्व में भाजपा के नेता रहे हैं और 2023 में संम्पन्न विधानसभा चुनावों से पूर्व ही भाजपा में की जा रही अनदेखी के कारण कांग्रेस में शामिल हुए थे। जितेंद्र पाटीदार उर्फ भाया ने विधानसभा ओर लोकसभा चुनावों में पूरी लगन से कांग्रेस के लिए मेहनत की जिसके चलते कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व तक उनका नाम पहुँचा ओर कई पुराने नाम जो कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष पद की दौड़ में थे उनको पीछे छोड़ते हुए ये पद हासिल किया। पूर्व विधायक वालसिंह मेडा की गुड़ लिस्ट में होने के कारण जितेंद्र पाटीदार के नाम की मुहर लगी।

मिली-जुली प्रतिक्रिया, गुटबाजी का करना पड़ेगा सामना

जितेंद्र पाटीदार के अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद कांग्रेस नेताओं में मिली जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है, कुछ युवा नेतृत्व के आगे आने से खुश हैं तो कुछ वरिष्ठों को मौका नही मिलने से नाराज भी दिखे। अध्यक्ष पद की नियुक्ति होने के बाद सोशल मीडिया पर कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओ ने कटाक्ष करते हुए बिना नाम लिखे पोस्ट कर अपनी प्रतिक्रिया दी। फिलहाल बची-कुची कांग्रेस और उसमें हावी गुटबाजी को समेट कर कार्यकर्ताओ को एक जाजम पर लाने, वरिष्ठ ओर युवा नेतृत्व में सामंजस्य बनाने की बड़ी चुनौती रहेगी।

नशे में लिप्त व्यक्ति शारीरिक व मानसिक रूप से, अपितु आर्थिक रूप से भी नुकसान करता है- कलेक्टर

माही की गूंज, झाबुआ।

प्रजापति ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के समन्वय से नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता रथ को कलेक्टर नेहा मीना ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यह रथ जिले के 650 से अधिक ग्रामो में जागरुक करेगा।

कार्यक्रम में कलेक्टर नेहा मीना का स्वागत ब्रह्मकुमारीज़ संस्था की दीदीयों द्वारा तिलक लगा कर एवं पुष्पगुच्छ देकर किया गया। नशा मुक्त कार्यक्रम में कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि, प्रशासन जिले में नशा मुक्ति हेतु कटीबद्ध है और नशा मुक्ति के प्रयासों के लिए ब्रह्मकुमारीज की जयंति दीदी और ज्योति दीदी साधुवाद। कलेक्टर ने कहा कि, नशे में लिप्त व्यक्ति ना केवल शारीरिक व मानसिक पतन की ओर बढ़ता है अपितु आर्थिक रूप से भी परिवार एवं स्वयं का नुकसान करता है। युवा पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वे स्वयं भी नशे से दूर रहे एवं अपने मित्रो और परिवारजनों को भी जागरूक करें।

ब्रह्मकुमारीज़ संस्था की जयंति दीदी द्वारा भी उपस्थित जनो को नशे के विरुद्ध संकल्प लेने हेतु प्रोत्साहित कर कहा कि नशे करने वाले व्यक्ति से भी अपनत्व की भावना रख उसे नशे के प्रति जागरूक किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री बी एस बघेल द्वारा नशे के शरीर पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावो के सम्बन्ध में समझाया गया। उपसंचालक सामाजिक न्याय पंकज सांवले ने नशे के प्रति जागरूकता की शुरुआत परिवार से की जाकर संकल्पित प्रयास करने को कहा । कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा नशा मुक्ति के लिए बनायी प्रदर्शनी का अवलोकन कलेक्टर नेहा मीना द्वारा किया गया, साथ ही व्यसनो को छोड़ने के लिए बने प्रतीकात्मक यज्ञ में आहुति के सम्बन्ध में उपस्थित जनो को समझाया गया। साथ ही उपस्थित जनों द्वारा मेडिटेशन सत्र में भाग लिया गया। नशा मुक्ति हेतु शपथ दिलायी गयी।

रथ का अवलोकन

जागरूकता रथ का कलेक्टर नेहा मीना द्वारा अवलोकन किया गया जिसमे नशे के प्रति जागरुकता हेतु एलईडी स्क्रीन मे फिल्म वीडियो के माध्यम से एवं प्रदर्शनी के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। इस दौरान सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के समस्त कर्मचारी, प्रजापति ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय का सम्पूर्ण परिवार, सीएचओ, शासकीय माध्यमिक विद्यालय मिण्डल के छात्र, अखिल समाज सेवा दल के सदस्य, पेंशनर्स एसोसिएशन के सदस्य, अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राए उपस्थित रहे।

संपादकीय

अब भरोसा बहाली चीन की जिम्मेदारी

यह कोई महज संयोग नहीं कि भारत और चीन रूस में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे है। इस निर्णय के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। कूटनीतिक हलकों में संभावना जतायी जा रही है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के साथ द्विपक्षीय बैठक कर सकते हैं। कहना गलत न होगा कि सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये एक मंच तैयार कर दिया है। यह एक हकीकत है कि जून 2020 में हुए गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी। यहां तक कि दोनों देश द्विपक्षीय बातचीत करने से भी परहेज कर रहे थे। बहरहाल, गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देशों के पास दुनिया को कुछ सकारात्मक दिखाने को तो है। वैसे भी इस गतिरोध के चलते एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में नजर आना पड़ता था। इसके अलावा इस घटनाक्रम से यह संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। वैसे यह उम्मीद करना जल्दबाजी ही होगी कि भारत-चीन सीमा पर जमीनी हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे। भारत को भी गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की आदत है। ऐसे में इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र हो। ऐसे में भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है।

वहीं दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम में तेजी से आ रहे बदलावों और महाशक्तियों के निरंकुश व्यवहार के चलते दुनिया फिर दो ध्रुवों में बंटती नजर आ रही है। यही वजह है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन और शी जिनपिंग ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। इस संगठन में नये देशों को शामिल करने की कवायद लगातार जारी है। बहरहाल, चीन की हालिया सकारात्मक पहल के बावजूद भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। अतीत में चीन भारतीय सीमाओं में अतिक्रमण की कोशिश करता रहा है। गलवान में चीनी सैनिकों द्वारा यथास्थिति में एकतरफा बदलाव से ही इस विवाद ने तूल पकड़ा। उसके बाद भारत ने सैन्य व राजनयिक वार्ताओं के जरिये इस विवाद को दूर करने का भरसक प्रयास किया। लेकिन इसके बावजूद डेपसांग और डेमचोक के टकराव वाले बिंदुओं से चीनी सैनिकों की वापसी नहीं की गई। अतीत में देश ने चीनी हठधर्मिता के कई मामले देखे भी हैं। एक ओर चीन बातचीत से समस्या के समाधान की दुहाई देता है तो दूसरी ओर एलएसी के निकट बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण करता रहा है। ऐसे में भारत को भी सतर्कता के चलते बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण करने को बाध्य होना पड़ा। भारत सरकार और रक्षा बलों को चाहिए कि एलएसी पर हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखें। अतीत में भी हमने चीन पर भरोसा करने की कीमत चुकाई है। जिसके जख्म देश महसूस करता रहा है। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार को भी चाहिए कि सीमा की वास्तविक स्थिति से देश को अवगत कराते रहें। विगत में विपक्षी राजनीतिक दल सीमा पर चीनी अतिक्रमण की वास्तविक स्थिति से देश को अवगत न कराने के आरोप राजग सरकार पर लगाते रहे हैं। वे सरकार के उस तर्क से सहमत नहीं थे कि न कोई हमारी सीमा के अंदर है और न ही हमारी किसी पोस्ट पर कब्जा किया गया है। निस्संदेह, चीनी सीमा की संवेदनशीलता को स्वीकारते हुए जन भावनाओं का सत्ताधीशों को ख्याल रखना चाहिए। बहरहाल,अधिक सतर्कता और पारदर्शिता से भारत को चीन को बात आगे बढ़ाने के लिये प्रेरित करने में मदद मिल सकती है।

लोकतंत्र को राजनीति के 'पारिवारिक व्यवसाय' की चुनौती

इस बार स्वाधीनता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से दिये गये अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति में भाई-भतीजावाद के वर्चस्व को नकारने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि वह देश के एक लाख ऐसे युवाओं को राजनीति में सक्रिय करना चाहते हैं जिनका राजनीतिक परिवारों से कोई रिश्ता न हो। प्रधानमंत्री ने अपनी इस बात को अब फिर दुहराया है। अपने चुनाव-क्षेत्र बनारस में एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'देश को परिवारवाद से बहुत बड़ा खतरा है। देश के युवाओं को सबसे ज़्यादा नुकसान इसी परिवारवाद से हुआ है।' प्रधानमंत्री की बात का कुल मिलाकर देश में अनुमोदन ही हुआ है।

यह पहली बार नहीं है जब देश की राजनीति में परिवारवाद के खतरों से परिचित कराने की कोशिश हुई है। सच तो यह है कि भारतीय जनता पार्टी अपनी राजनीति जिन आधारों पर चला रही है, उनमें कांग्रेस के परिवारवाद का स्थान काफी ऊंचा है। लेकिन सवाल जो उठ रहा है वह यही है कि राजनीति में परिवारवाद की इस आलोचना में ईमानदारी कितनी है?

जिस समाचार पत्र में मैंने बनारस के प्रधानमंत्री के भाषण वाला समाचार पढ़ा था, उसमें उसी पन्ने पर एक समाचार यह भी था कि महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव में भाजपा के उम्मीदवारों की पहली सूची में ऐसे कई नाम हैं जिनका सीधा रिश्ता राजनीतिक परिवारों से है। समाचार में इस संदर्भ में कुछ नाम भी गिनाये गये थे। इन नामों में से एक पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी और दूसरे पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे का नाम भी था। राज्यसभा के एक सदस्य के छोटे भाई को भी भाजपा ने टिकट दिया है। एक और पूर्व मुख्यमंत्री के पोते को भी भाजपा का टिकट मिला है। राज्य में भाजपा के अध्यक्ष के साथ-साथ उनके भाई को भी पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया है... यह सूची यहीं खत्म नहीं होती। सच तो यह है कि इस तरह की सूची भाजपा तक ही सीमित नहीं है। बाकी राजनीतिक दल भी राजनीति में भाई-भतीजावाद की बीमारी के शिकार हैं। उनकी सूचियां खंगाली जायेंगी तो वहां भी यही सब देखने को मिलेगा। भाजपाई उम्मीदवारों के ये कुछ नाम तो बस इसलिए गिनाये गये हैं कि भाई-भतीजावाद के संदर्भ में प्रधानमंत्री जो कहते हैं उनकी पार्टी का आचरण उसके बिल्कुल विपरीत दिख रहा है। और यह बात भी कोई रहस्य नहीं है कि भाजपा में प्रधानमंत्री की बात ही अंतिम सच है। बजाय यह कहने के कि 'मैं यह चाहता हूं कि राजनीति में भाई-भतीजावाद का खात्मा हो', प्रधानमंत्री यह कहते हैं कि 'देखिए हमने चुनाव में किसी को इसलिए उम्मीदवार नहीं बनाया कि वे किसी राजनीतिक परिवार से जुड़ा है' तो उनकी बात का महत्व और असर कहीं अधिक बढ़ जाता।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि भाई-भतीजावाद की इस संस्कृति ने हमारी राजनीति को एक पारिवारिक व्यवसाय बनाकर रख दिया है। कांग्रेस पर इसे बढ़ावा देने का आरोप कोई भी ग़लत नहीं ठहरा सकता। कांग्रेस की राजनीति मोतीलाल नेहरू से लेकर राजीव गांधी तक परिवारवाद से ग्रसित रही है। पर यह सच सिर्फ कांग्रेस पार्टी का नहीं है। हमारे देश की लगभग सभी पार्टियां इस बीमारी की शिकार हैं। हां, कम्युनिस्ट पार्टी वाले अवश्य इसका शिकार होने से बचे हुए दिखते हैं। बाकी सारे राजनीतिक दल, चाहे वे राष्ट्रीय स्तर के हों या फिर क्षेत्रीय दल हों, भाई-भतीजावाद के दलदल में डूबे दिखाई देते हैं।

जहां तक क्षेत्रीय दलों का सवाल है उनमें से कई तो हैं ही परिवारों की पार्टियां। बिहार में आर.जे.डी. को लालू-परिवार से, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को यादव परिवार से, जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला परिवार से और तमिलनाडु में द्रमुक को स्टालिन-परिवार से अलग करके कैसे देखा जा सकता है। यदि इसे 'पारिवारिक व्यवसाय' की संज्ञा दी जाती है तो क्या ग़लत है?

इस सच्चाई के बरक्स दूसरी सच्चाई है कांग्रेस पार्टी की जो भाजपा के निशाने पर है। स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने तो अपने पुत्र संजय को लेकर उठे सवालों के संदर्भ में स्पष्ट कहा कि यदि व्यवसायी की संतान व्यवसायी बन सकती है, वकील की संतान वकील तो राजनेता की संतान राजनीति में आकर क्या ग़लत करती है? कुछ ऐसा ही तर्क यह भी है कि राजनेता यदि अपने परिवार के सदस्यों को चुनाव का टिकट देकर आगे लाते हैं तो इसमें ग़लत क्या है? उन्हें चुनाव में जिताती तो जनता हैदृ उन्हें हर कदम पर स्वयं को प्रमाणित करना होता है। इन दोनों प्रकार के तर्कों में कुछ सच्चाई हो सकती है, पर बड़ी सच्चाई यह है कि इस पारिवारिक राजनीति के पीछे जो ताकत है वह उसी राजशाही की है जिसे हटाकर हमने अपने को जनतांत्रिक देश घोषित किया है। इस जनतंत्र की सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि यहां हर एक को आगे बढ़ने का अवसर और अधिकार मिलता है। परिवारवादी राजनीति इसे नकारती है। इस अवसर और अधिकार का तकाज़ा है कि जनतंत्र में राजनीति को किसी की पारिवारिक संपत्ति न बनने दिया जाये। हमारे राजनेता यह समझते भले ही हों पर स्वीकारना नहीं चाहते। इसी का परिणाम है कि आज हमारे देश में न जाने कितने बड़े नेताओं की संतानें संसद या विधानसभाओं में बैठी दिख रही हैं। यह सब राजनीति में इसलिए नहीं है कि उनमें राजनीति की समझ या योग्यता-क्षमता है। उनके इस स्थिति में होने का आधार ही यही है कि वह राजनीतिक परिवार के सदस्य हैं।

विश्वनाथ सचदेव

लगभग चार साल पहले एक अध्ययन में यह पाया गया था कि हमारी तत्कालीन लोकसभा में 30 वर्ष से कम आयु के सभी सांसद राजनीतिक परिवारों की राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले थे! 40 साल से अधिक उम्र वाले दो-तिहाई सांसद ऐसे ही परिवार वाले थे। अध्ययन का निष्कर्ष यह था कि यदि यही गति रही तो संभव है हमारी संसद राजनीतिक परिवारों का अड्डा बन कर रह जायेकृयानी फिर वही वंशवादी राजनीति जिससे छुटकारा पाने के लिए हमने जनतांत्रिक व्यवस्था को स्वीकारा था। इस व्यवस्था में वंश-परंपरा नहीं, नागरिक की योग्यता-क्षमता का स्वीकार ही किसी के राजनीति में आने का आधार है। परिवारवादी राजनीति जनतांत्रिक मूल्यों को नकारती है।

ऐसा नहीं है कि राजनीतिक परिवार का होने के कारण कोई व्यक्ति राजनीति में आने लायक न समझा जाये, पर उसके राजनीति में स्थान पाने का कारण उसका परिवार नहीं होना चाहिए। माता या पिता का राजनीतिक वर्चस्व संतान को राजनीति में योग्यता का प्रमाणपत्र नहीं देता। व्यक्ति को अपनी क्षमता प्रमाणित करने का अवसर मिलना ग़लत नहीं है, पर इसका आधार किसी राजनीतिक परिवार का होना नहीं हो सकता। आज यदि प्रधानमंत्री गैर-राजनीतिक परिवारों के युवाओं को आगे लाने की बात करते हैं तो उन्हें अपनी करनी से भी यह दिखाना होगा कि वे सिर्फ जुमलेबाजी नहीं कर रहे। पर भाजपा तथा अन्य राजनीतिक दलों में जो हो रहा है वह इस संदर्भ में निराश ही करता है। यह स्थिति कब और कैसे बदलेगी, यह सोचना होगा हमेंकृयानी हर नागरिक को।

मोदी को सराहूं या सराहूं योगी लाल को...?

मेरी दशा इन दिनों महाकवि भूषण जैसी हो रही है । भूषण की काव्यप्रतिभा और कशीदाकारी से प्रभावित होकर महाराजा छत्रसाल ने उनकी पालकी को कन्धा लगाया था तो महारज शिवाजी ने उन्हें मालामाल कर दिया था। लेकिन मेरे पास न महाकवि भूषण जैसी काव्य प्रतिभा है और न ही मुझे उनकी तरह ठकुरसुहाती लिखाना आती है। लेकिन हम दोनों हैं एक ही बिरादरी के हैं ,इसलिए हमारी दुविधा भी एक जैसी ही है। महाकवि भूषण को छत्रपति शिवजी और महाराज छत्रसाल ने दुविधा में डाल दिया था। दोनों महान शूरवीर थे। ये बात 400 साल पुरानी है लेकिन मुझे कलिकाल में विश्व गुरु मोदी जी और गोरखपंथी योगी आदित्यनाथ ने दुविधा में डाल दिया है। मै समझ नहीं पा रहा हूं कि मै मोदी जी को सराहूं या योगी जी को ?

कलिकाल की राजनीति में मुझे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी और उत्तर परदरदेश के उत्तरदायी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसा सूरमा और कोई नजर ही नहीं आता। राहुल, अखिलेश, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल, हेमंत सोरेन जैसे नेता तो इस जुगल जोड़ी के सामने कहीं लगते ही नहीं है। इन दोनों के पास ध्रुवीकरण का जो अमोघ अस्त्र है वो किसी दूसरे के पास नहीं है। मोदी जी 2014 और 2019 के आम चुनाव में अपने इस अमोघ अस्त्र का जलवा दिखा चुके है। 2024 में उनका जलवा थोड़ा कम नजर आया। लेकिन योगी जी का जलवा कायम है भले ही 2024 में अखिलेश और राहुल की जोड़ी ने उनकी हवा टाइट कर दी थी संविधान कि प्रतियां दिखाकर।

देश को 81 साल पहले जिस तरह से महात्मा गांधी ने करो या मरो का नारा देकर देश को आजादी दिलाई थी उसी तर्ज पर महात्मा योगी ने 2024 में देश की जनता को बटोगे तो कटोगे का नारा दिया है। वे हर विधानसभा के चुनाव में अपने इसी धारदार नारे के साथ नमूदार हो रहे हैं और देश को कांग्रेस मुक्त करने के अभियान को साकार करने में जुटे हैं। लेक्म महात्मा योगी भूल गए कि वे महात्मा गांधी नहीं हैं। उनकी वाणी में वो ओज नहीं है जो गांधी की वाणी में था। महत्मा योगी जी की बात तो उनका अपना उत्तर प्रदेश नहीं सुन रहा जबकि महात्मा गांधी के नारे को पूरे देश ने अपना लिया था। अव्वल तो महात्मा योगी को महात्मा गाँधी की नकल करते हुए भारतीयों को बटोगे तो कटोगे का नारा देना ही नहीं था और यदि दे भी दिया था तो जम्मू-काश्मीर में भाजपा के हारने के बाद उसे महाराष्ट्र में दोहराना नहीं था। योगी जी को मुगालता हो गया है कि हरियाण विधानसभा चुनाव भाजपा ने उनके इसी नारे की बिना पर जीता,जबकि जीत मशीन और मशीनरी की थी। ।

बहरहाल अभी महाराष्ट्र और झारखण्ड में अगले महीने विधानसभा के चुनाव होना है। इन दोनों राज्यों में माननीय महात्मा मोदी के होर्डिंग्स के बजाय महात्मा योगी के बटोगे तो कटोगे वाले हर्डिंग्स लग गए हैं। लगता है कि अब भाजपा को अपने महात्मा मोदी के ऊपर भरोसा नहीं रहां । भरोसा तो महाराष्ट्र के चित-पवन पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी नहीं है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर तो भाजपा भरोसा कर ही नहीं सकती। महाराष्ट्र में अब डर के मारे देवेंद्र फडणवीस भी देवा भाऊ बन गए हैं। उनके चित-पवन ब्राम्हण होने की बात भी अब कोई नहीं कर रहा है ,क्योंकि भाजपा को आशंका है कि देवेंद्र भाऊ का ब्राम्हण होना कहीं उसे नुक्सान न करा दे।

कभी-कभी मुझे लगता है कि भाजपा के मित्रों ने खासकर मोदी और शाह साहब की जोड़ी ने हमारे पुरखे कवि प्रदीप का फिल्म जागृति के लिए 1954 में लिखा गीत न सुना है और न पढ़ा है अन्यथा वे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जीतने के लिए महात्मा योगी का बटोगे तो कटोगे वाला मन्त्र इस्तेमाल नहीं करते । लगता है भाजपा महाराष्ट्र को जानता ही नहीं है। इसलिए मै भाजपा के मित्रों के लिए कविवर प्रदीप के गीत का वो खंड दुहरा रहा हूँ जो उन्होंने महाराष्ट्र के लिए लिखा था। वे लिख गए हैं कि -

देखो मुल्क मराठों का ये यहाँ शिवाजी डोला था
मुग़लों की ताकत को जिसने तलवारों पे तोला था
हर पर्वत पे आग लगी थी हर पत्थर एक शोला था
बोली हर-हर महादेव की बच्चा-बच्चा बोला था
घेर शिवाजी ने रखी थी लाज हमारी शान की
इस मिट्टी से तिलक करो ये धरती है बलिदान की
बलिदान की इस धरती के प्रतीक छत्रपति शिवजी की

महाराष्ट्र में मोदी जी का चेहरा चल नहीं रहा। उनका चेहरा अपनी चमक खो चुका है। वैसे भी वे इस समय महाराष्ट्र को भूलकर रूस और यूक्रेन के बीच समझौता कराने में व्यस्त हैं। महात्मा शाह परदे के पीछे से मेहनत जरूर कर रहे हैं ,लेकिन उनकी मेहनत हरियाणा की तरह कामयाब होगी या नहीं कहना कठिन है। आप यकीन मानिए कि मै मोदी और शाह की जोड़ी के महारत का मुरीद हो । वे जिस शिद्दत के साथ चुनाव लड़ते हैं और अपने प्रतिद्वंदी दलों का खंडन करते हैं उसकी कोई प्रतिमा का मान-मर्दन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार के समय ही हुआ है। दरियादिल प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी इस गलती के लिए जनता से क्षमा याचना भी कर चुके हैं ,लेकिन ये पता नहीं है कि जनता ने मोदी जो को क्षमा किया या नहीं ? जनादेश तो 23 नवंबर को ही आएगा। महाराष्ट्र में हालात आज भी ठीक नहीं है। यहां पर्वत-पर्वत पर आग लगी है। मुगल तो हैं नहीं लेकिन अल्पसंख्यकों की ताकत को बाजरिये लारेंस विश्नोई की बंदूकों के बल पर तौला जा रहा है। बाबा सिद्दीकी की हत्या की जा चुकी है और फिल्म अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी दी जा चुकी है। ऐसे में महात्मा योगी का नार आग में घी डालने का काम कर रहा है।

दूसरी मिसाल नहीं है । कांग्रेस तो दलों को तोड़ना जानती ही नहीं है। यानि भाजपा की ये जुगल जोड़ी बांटने और काटने में सिद्धहस्त हो चुकी है । महाराष्ट्र और झारखण्ड की ही बात करें तो भाजपा राष्ट्रवादी कांग्रेस और शिवसेना को बाँट भी चुकी है और आपने ही बच्चे देवेंद्र फडणवीस के पर काट भी चुकी है । झारखण्ड में झामुमो को बांटकर चम्पई बाबू को कमलगट्टे खिलाने का श्रेय भी इसी जोड़ी को है।

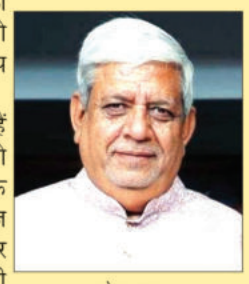

राकेश अचल

आप तो पढ़े-लिखे हैं अतीत खंगाल लीजिये तो आपको पता चल जाएगा कि भाजपा बाँटने का काम आज से नहीं बल्कि वर्षों से कर रही है । भाजपा जिस किसी दल पर अपना हाथ रखती है उसका दोफाड़ होना अवश्यम्भावी ह। मध्यप्रदेश में ,उत्तर प्रदेश में ,राजस्थान में और न जाने कहाँ-कहां भाजपा ने कांग्रेस को बांटने की कोशिश की और जब कामयाबी नहीं मिली तो कांग्रेस को काट दिय। कभी ज्योतिरादित्य सिंध्या को काट ले गयी तो कभी जितेन प्रसाद को। कभी हेमंत विस्वा को तो कभी किसी और को। बहरहाल लौटकर महात्मा योगी के नारे पर आते है। अब महाराष्ट्र की जनता को ये तय करना है कि क्या वो सचमुच बँट रही है ? या सचमुच कटने वाली है ? उसे महात्मा योगी के नारे पर ध्यान देना चाहिए या उसे इग्नोर करना चाहिए ?

एक शुभचिंतक के नाते मै भाजपा हायकमान को मुफ्त का मश्विरा देना चाहता हूं कि वो महाराष्ट्र और झारखण्ड में स्थानीय मुद्दों पर,स्थानीय नेताओं के चेहरों पर विधानसभा का चुनाव लड़े और जीते । इन दोनों राज्यों में ही नहीं बल्कि किसी तीसरे राज्य को भी महात्मा योगी के बांटोगे तो काटोगे के नारे से डराने की जरूरत नहीं है । भाजपा को महात्मा योगी की बारूद का इस्तेमाल उत्तर प्रदेश में ही करना चाहिए जहां कि 2024 के लोकभा चुनाव में भाजपा की जमीन पोली हो चुकी है । संद रहे कि ये देश न बनत रहा है और न कोई यहां कट रहा है। हम सब एक हैं। एक डाल के पंछी जय श्री राम।

रतलाम से इंदौर आ रही खटारा डेमू में फिर निकली चिंगारियां

माही की गूंज, रतलाम।

महू-इंदौर-रतलाम के बीच धकाई जा रही खटारा डेमू ट्रेनों ने एक बार फिर यात्रियों की जान सांसत में डाल दी। मंगलवार दोपहर रतलाम से इंदौर आ रही डेमू ट्रेन के पहियों से चिंगारियां और धुआं निकलने लगा। पटरियों पर काम कर रहे मजदूरों ने यह दृश्य देखा तो चिल्लाकर ट्रेन रुकवाई। ट्रेन पौन घंटे देरी से इंदौर पहुंची।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि, डेमू ट्रेन दोपहर एक बजे रतलाम से रवाना हुई थी और नौगांवा पहुंचने से पहले ट्रेन के डीपीसी कोच (जनरेटर कार) के पहियों से चिंगारियां और धुआं निकलने लगा। ट्रेन जब घटनास्थल से गुजर रही थी तो वहां मजदूर देखकर चिल्लाए और ट्रेन रुकवाई। पहले यात्रियों को लगा कि शायद कोई ट्रेन के नीचे आ गया है। लोको पायलट और गार्ड ट्रेन के बीच में लगी जनरेटर कार तक पहुंचे। पहले सब्बल का इंतजाम कर ब्रेक के गुटके चक्कों से दूर करने के जतन किए गए और लोगों से पानी लेकर धुआं बंद कराया गया। करीब 20 मिनट तक रोकने के बाद ट्रेन को धीरे-धीरे नौगांवा तक लाया गया। वहां ट्रेन में गड़बड़ी की सूचना स्टेशन मास्टर को दी गई।

गर्मी में बंद करना पड़े पंखे

एहतियातन रेलवे स्टाफ ने ट्रेन की बिजली सप्लाई बंद कर दी, जिससे लोगों को दोपहर की गर्मी में परेशान होना पड़ा। आगे के स्टेशनों पर यात्रियों ने गार्ड से पंखे चालू करने का आग्रह किया तो दोबारा बिजली सप्लाई बहाल की गई। फतेहाबाद में समस्या दूर कर डेमू ट्रेन को रवाना किया गया और फिर ट्रेन अपनी सामान्य रफ्तार से करीब पौन घंटे देरी से शाम 4.15 बजे इंदौर आई। हालांकि जनसंपर्क विभाग ने ऐसी किसी घटना की जानकारी होने से इनकार किया है।

जनप्रतिनिधि-अफसर चुप

महू-इंदौर-फतेहाबाद-रतलाम रेल लाइन विद्युतीकृत है। इसके बावजूद रेलवे इस रूट पर मेमू ट्रेनों के बजाय खटारा डेमू ट्रेनें दौड़ा रहा है, जो आए दिन बिगड़ती रहती हैं या उनमें आग लग जाती है। यात्रियों ने कहा कि शायद रेलवे किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है। ये ट्रेन न केवल महंगे डीजल से चलाना पड़ रही हैं, बल्कि इससे पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। इन सब बातों की चिंता न जनप्रतिनिधियों को है, न रेल अफसरों को।

सूतक काल में पुजारी ने महालक्ष्मी मंदिर में की सेवा पूजा

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम के प्रसिद्ध महालक्ष्मी मंदिर के पुजारी द्वारा अपने भाई की मौत होने के बावजूद भी मंदिर में सेवा पूजा की, जिसके चलते श्रीमाली ब्राह्मण समाज ने प्रशासन के समक्ष अपना विरोध दर्ज करवाया। विरोध के चलते रतलाम जिला प्रशासन ने रविवार रात को मंदिर में ताला लगा दिया। प्रशासन ने अस्थाई पुजारी की नियुक्ति कर मंदिर का ताला खोला, जिसके बाद श्री माली ब्राह्मण समाज ने मंदिर का शुद्धिकरण भी किया।

शहर के माणक चौक स्थित महालक्ष्मी मंदिर में भक्तों की गहरी आस्था है। महालक्ष्मी माता को श्री माली ब्राह्मण समाज अपनी आराध्य देवी मानता है। मंदिर की सेवा पूजा करने वाले पंडित संजय पुजारी के भाई की कुछ दिनों पूर्व मौत हो गई थी। उसके बावजूद भी पुजारी ने सूतक काल में भी मंदिर की सेवा पूजा बंद नहीं की, जिसकी जानकारी मिलने पर श्री माली ब्राह्मण समाज के लोगों ने सूतक काल में पूजा करने पर प्रशासन के सामने अपना विरोध दर्ज करवाया। जिला प्रशासन ने विरोध के चलते रविवार रात मंदिर का गेट बंद कर मंदिर पर ताला लगा दिया। सोमवार सुबह नायाब तहसीलदार आशीष उपाध्याय की मौजूदगी में मंदिर का ताला सुबह 8:15 खोला गया। प्रशासन ने संजय पुजारी को भी हटा दिया है, उसके स्थान पर प्रशासन ने सत्यनारायण व्यास को अस्थायी पुजारी नियुक्त किया है।

इसके पहले पंडित संजय दवे के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ लोगों ने मंदिर के बाहर पूजा-अर्चना की, जिसके बाद श्रीमाली समाज ने महालक्ष्मी मंदिर का गोमूत्र से शुद्धिकरण किया। नायब तहसीलदार आशीष उपाध्याय ने बताया कि पूर्व पुजारी की शिकायत को लेकर उन्हें हटाया गया है। उनके स्थान पर अभी एक नए पंडित की अस्थायी रूप से नियुक्ति की गई है। श्रीमाली ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष नयन व्यास ने बताया कि महालक्ष्मी मंदिर हमारा है। समाज की सती माता का भी मंदिर में स्थान है। पुजारी को पूर्व में निवेदन किया था कि सूतक में मंदिर में ना जाएं, लेकिन वह नहीं माने।

फ्लेक्स लगाकर उर्वरकों के विकल्पों की जानकारी प्रदर्शित करें- कलेक्टर

माही की गूंज, मंदसौर।

कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने गत दिनों शाजापुर की प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था शाजापुर, पनवाड़ी एवं पतौली का निरीक्षण कर उर्वरकों के भण्डारण एवं वितरण की जानकारी ली। कलेक्टर ने यहां उपस्थित किसानों से पूछा कि उन्हें उर्वरकों सुगमता से मिल रहा है या नहीं। किसानों ने बताया कि एनपीके की उपलब्धता कम है और यूरिया पर्याप्त मिल रहा है।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने उर्वरकों के वितरण का निरीक्षण करते हुए उप संचालक कृषि केएस यादव को निर्देश दिए कि वे प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों पर फ्लेक्स लगवाकर उर्वरकों के विकल्पों की जानकारी प्रदर्शित करें। साथ ही कृषि विभाग के अमले के माध्यम से भी गांव-गांव में विकल्पों की जानकारी किसानों को दें। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने समितियों के भण्डारण एवं विक्रय की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि प्रतिदिन की खपत के हिसाब से स्टॉक रजिस्टर संधारित करें।

कृषि उपज मंडी में सोयाबीन खरीदी कार्य का निरीक्षण

कलेक्टर सुश्री बाफना ने कृषि उपज मंडी शाजापुर में व्यापारियों द्वारा सोयाबीन की, कि जा रही खरीदी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से चर्चा कर कहा कि आर्द्रता के अनुसार व्यापारियों द्वारा सोयाबीन की खरीदी की जाती है, अतः किसान सोयाबीन को साफ एवं सुखाकर लाइन तो उन्हें ज्यादा दाम मिलेंगे।

सोयाबीन उपार्जन पंजीयन कार्य का निरीक्षण

कलेक्टर सुश्री बाफना ने प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति शाजापुर एवं पतोली में सोयाबीन उपार्जन के लिए चल रहे पंजीयन कार्य का निरीक्षण किया। शाजापुर के केन्द्र पर कलेक्टर ने ग्राम मीरपुरा के किसान का पंजीयन अपने समक्ष कराया। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी सुश्री मनीषा वास्कले, उपसंचालक कृषि केएस यादव, जिला विपणन अधिकारी श्रीमती जेनीफर खान भी मौजूद थी।

कपड़े उतारकर बांधे हाथ और चांटे मारते हुए दी गालियां...

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल में ग्रामीणों ने गोवंश तस्कर की नग्न कर पिटाई कर दी। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने पिटाई करने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बैतूल के आमला थाना क्षेत्र के जमवाड़ा गांव में 21 अक्टूबर को ग्रामीणों ने एक युवक को उसके कपड़े उतारकर और हाथ बांधकर जमकर पीट गया। इसके बाद उसका वीडियो बनाया। वीडियो में भी चांटा मारते हुए और गाली देते हुए भी आरोपी दिखाई दे रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक का नाम भारत यादव बताया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि, काजली गांव में गोवंश का अवैध परिवहन किया जा रहा था। इसी मामले में ग्रामीणों ने दो युवकों की गौवंश की तस्करी के आरोप में पिटाई कर दी। पुलिस ने भी गोवंश के अवैध परिवहन के मामले में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

इसके अलावा, गौवंश तस्करी का भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने दो आरोपियों के साथ की गई पिटाई के मामले में अज्ञात ग्रामीणों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है।

बैतूल एसपी निश्चल झारिया का कहना है कि आमला थाने में गोवंश परिवहन को लेकर पांच लोगों मामला दर्ज किया गया है। इसी गोवंश को लेकर वहां पर अज्ञात भीड़ थी। दो आरोपियों के साथ मारपीट की गई है। मारपीट को लेकर अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। इसमें गोवंश तस्करी का भी मामला दर्ज किया गया है।

किसान अब रबी की तैयारियों में जुटे, सर्दी चमकने का इंतजार

माही की गूंज, रतलाम।

जिले में मौसम का मिजाज बार-बार बदल रहा है। सुबह से शाम तक कभी बादलाई मौसम तो कभी सूरज की तेजी रही। जिले में अब तक औसत 1171 मिमी वर्षा हो चुकी है। यह गत वर्ष 1270 के मुकाबले 99 मिमी कम है। जिले के अधिकांश किसान खरीफ सीजन से निवृत्त हो चुके हैं और रबी की तैयारियों में जुट गए हैं। कई किसानों ने चना, मटर, सरसों, लहसुन आदि की बोवनी कर दी है। गेहूं के लिए किसान सर्दी चमकने का इंतजार कर रहे हैं। वर्तमान में सुबह-शाम, रात में ठंडक महसूस हो रही है। मौसम अनुकूल नहीं होने से कई किसान रबी सीजन की मुख्य गेहूं की बोनी नहीं कर पा रहे हैं। किसानों के अनुसार गेहूं की बोवनी सर्दी का असर बढ़ने के बाद करने से उत्पादन अच्छा मिलता है। यही कारण है कि ज्यादातर किसान गेहूं की बोवनी के लिए अनुकूल मौसम का इंतजार कर रहे हैं। सहायक संचालक भीका वास्के ने बताया कि इस वर्ष सवा तीन लाख से अधिक हेक्टेयर में रबी की बोवनी का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में किसान चना, सरसों, मटर आदि की बोवनी कर रहे हैं। गेहूं की बोवनी के लिए सर्दी बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं। किसानों को उम्मीद है कि दिवाली के बाद पारा गिरेगा और वे सही समय पर बुवाई कर अच्छी फसल प्राप्त कर सकेंगे।

कृषक चौपाल एवं प्रशिक्षण का आयोजन

माही की गूंज, मंदसौर।

मध्यप्रदेश राज्य मिलेट मिशन अन्तर्गत किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा ग्राम खोरियानायता में गत दिवस कृषक चौपाल एवं एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

जिसमें विधायक अरुण भीमावद, उप संचालक कृषि के.एस. यादव, डॉ. मुकेश सिंह, कृषि वैज्ञानिक, अरविंद राजपूत, सहायक संचालक कृषि ललित नागर, अनिल पाटीदार, ज्ञान सिंह गुर्जर सहित उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन आदि विभागों के अधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि संबंधित विकासखण्ड के कृषि विस्तार अधिकारी एवं कृषकगण उपस्थित थे।

चौपाल का शुभारंभ विधायक भीमावद ने किया तथा संबोधित करते हुए कहा कि किसान भाई डीएपी के साथ एनपीके एवं सुपर फास्फेट्स खाद प्रयोग कर सकते हैं। उन्होंने किसानों को जैविक खेती एवं प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने के लिए कहा। संगोष्ठी के दौरान बताए जाने वाले आधुनिक तकनीकी ज्ञान का उपयोग किसान भाई करें। मिलेट्स फसलों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि दैनिक भोजन मे मिलेट्स को शामिल करें। किसानों को उन्होंने अपनी भूमि के छोटे हिस्से में मिलेट्स फसलों का उत्पादन लेने के लिए प्रेरित भी किया।

इस अवसर पर उपसंचालक यादव ने संतुलित मात्रा में उर्वरक के प्रयोग एवं उनके विकल्पों के बारे में बताया। डॉ. मुकेश सिंह द्वारा आगामी रबी सीजन की तैयारी के लिए किसानों से विस्तार से चर्चा की और तिलहनी फसलों में सल्फर की उपयोगिता के बारे बताया। अन्य विभागों के अधिकारियों द्वारा भी विभाग में संचालित योजनाओं के बारे में किसानों को अवगत कराया गया।

दूसरे धर्म में शादी... हाईकोर्ट ने लड़के को दिलवाई सुरक्षा

जबलपुर।

जबलपुर में हिंदू लड़की से शादी करना चाह रहे मुस्लिम लड़के को सुरक्षा दी जाएगी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एसपी को इसको लेकर आदेश दिया है। इससे पहले तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से दखल देने और जबलपुर में होने जा रही इस शादी को रोकने के लिए कहा था।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो संदेश में विधायक राजा को यह कहते हुए सुना गया कि, मुख्यमंत्री यादव और मध्यप्रदेश पुलिस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि 'लव जिहाद' विवाह न हो।

प्रेमी जोड़ी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विशाल धगत ने कहा, याचिकाकर्ताओं को अदालत में बुलाया गया दोनों के बयान चैंबर में दर्ज किए गए, क्योंकि उनके रिश्तेदार अदालत की कार्रवाई में व्यवधान डाल सकते थे। दोनों पिछले एक साल से लिव-इन रिलेशनशिप में हैं और शादी करना चाहते हैं। उनका कहना है कि उन्हें पुलिस सुरक्षा दी जाए, अन्यथा लड़की को उनके परिवार के सदस्य अगवा कर सकते हैं।

हाईकोर्ट ने कहा, चूंकि हमले में दोनों के चोटिल होने की प्रबल संभावना है, इसलिए जबलपुर के एसपी को पुलिस सुरक्षा देने का निर्देश दिया जाता है।

जस्टिस ने कहा कि, पुलिस की एक टीम लड़की को उस स्थान पर ले जाएगी, जहां वह रह रही है और उसे अपना सारा सामान इकट्ठा करने की अनुमति देगी। इसके बाद उसे एक संस्थान में ले जाया जाएगा, जहां उसे आश्रय, भोजन और सोने के लिए सुरक्षित स्थान प्रदान किया जाएगा।

अदालत ने कहा कि, लड़की 11 नवंबर तक वहां रहेगी और उससे परिवार के सदस्य या मुस्लिम व्यक्ति संपर्क नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि लड़की इस अवधि के दौरान शादी करने के अपने फैसले के बारे में सोचने के लिए आजाद है।

हाईकोर्ट के आदेश में कहा गया है कि, 12 नवंबर को विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी के लिए विवाह रजिस्ट्रार के समक्ष उसका बयान दर्ज किया जाएगा। उसके मुस्लिम प्रेमी को भी सुरक्षा दी जाएगी और उसकी सुरक्षा के लिए पुलिस उसे अज्ञात स्थान पर ले जाएगी। अदालत ने कहा, जब परिस्थितियां अनुकूल होंगी, तो उसे उसके घर ले जाया जाएगा और परिवार के सदस्यों के साथ छोड़ दिया जाएगा।

आदेश में कहा गया है, अगर कोई शख्स जबरन प्रेमी जोड़े से संपर्क करता है और गलत तरीके से रोकने या आपराधिक बल का प्रयोग करने का अपराध करता है, तो एसपी को केस दर्ज करने और कानून के अनुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया जाता है।

हिंदू सेवा परिषद के प्रमुख अतुल जेसवानी ने कहा था कि, बीजेपी विधायक टी राजा ने उन्हें एक वीडियो संदेश भेजा था, जिसके बाद उन्होंने जबलपुर कलेक्टर पुष्पेंद्र अहके से मुलाकात की और उनसे विशेष विवाह अधिनियम के तहत जोड़े के आवेदन को रद्द करने का अनुरोध किया।

न्यूज ब्रीफ

बड़वानी में तीन आरोपियों को मारपीट के मामले में 5 वर्ष का कारावास एवं अर्थदंड

माही की गूंज, बड़वानी।

विशेष न्यायाधीश बड़वानी रईस खान ने पारित अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में ब्लेडए लकड़ी व पत्थर से फरियादी को घायल करने वाले आरोपियों आकाश पिता राजू बरगुण्डाए रोहित पिता शंकर बरगुण्डा और रितिक पिता शंकर बरगुण्डाए तीनों निवासी डीपो मोहल्ला नागलवाडी को 5.5 वर्ष का कठोर कारावास और 4.4 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

अतिरिक्त लोक अभियोजक जगदीश यादव ने बताया कि आरोपियों द्वारा पुरानी रंजिश को लेकर राकेश पिता राधेश्याम निवासी नागलवाडी को उसके घर के सामने जाकर मॉ.बहन की गालियां देते हुएए रितिक ने ब्लेड सेए रोहित ने बांस की लकड़ी एवं आकाश ने पत्थर से राकेश को चोट पहुँचाई। फरियादी राकेश ने थाने पर जाकर घटना की जानकारी दी और अभियुक्तों द्वारा किए गए अपराध की रिपोर्ट दर्ज करवाई।

पुलिस ने मेडिकल साक्ष्य के आधार पर अभियुक्तों के विरुद्ध अनुसंधान पूरा कर न्यायालय में चालान पेश किया। न्यायालय ने अभियोजक के साक्ष्य व तथ्यों को मानते हुए अभियुक्त रितिकए रोहित और आकाश को भाण्दण्सण् की धारा 323ए 326ध्34 के तहत 5.5 वर्ष के कारावास और 4.4 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक जगदीश यादव और अनुसंधान सहायक उपनिरीक्षक अर्जुनसिंह मंडलोई ने की।

राजस्व व खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने की छापामार कार्यवाही

माही की गूंज, खरगोन।

आमजन को मिलावट रहित गुणवत्तायुक्त एवं सही माप की खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के मकसद से कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के निर्देशानुसार दशहरा व दीपावली के त्यौहार को देखते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व खरगोन की संयुक्त टीम के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने 04 खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर खाद्य सामग्री के नमूने एकत्र किए हैं।

निरीक्षण के दौरान टीम ने वल्लभा स्वीटस तिलक पथ खरगोन से मावाए रसगुल्ला एवं मावा कतली का नमूना संग्रहित किया है। इसी प्रकार रूपश्री स्वीटस एमण्जी रोड खरगोन से मलाई टिकियाए मावा कटलसए मावा बर्फी काए रिफ्रेशमेंट राधावल्लभ मार्केट खरगोन से सोयाबीन तेलए बेसन व सेंव का एवं सेलीब्रेशन जोधपुर स्वीटस बिस्टान रोड खरगोन से मलाई बर्फीए बेसन लड्डू एवं अंजीर बर्फी का नमूना संग्रहित किया गया है।

खाद्य सामग्री के नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल को भेजे गए हैं। जांच में अमानक एवं मिलावट पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं एवं निर्माताओं के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। आगामी समय में जिले की खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर विधिवत कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। इस कार्यवाही में तहसीलदार महेन्द्र दांगी, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी एचएल आवस्या एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी एनएस सोंलकी उपस्थित थे।

युवा उत्सव का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

शासकीय आदर्श महाविद्यालय बड़वानी में डॉण् बलराम बघेल के निर्देशन में युवा उत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन वरिष्ठ प्राध्यापक डॉण् प्रमोद पंडित और डॉण् दिनेश पाटीदार के मार्गदर्शन में हुआ। डॉण् दिनेश पाटीदार ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए बताया कि यह उत्सव विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जा रहा हैए अतः इसमें विद्यार्थियों को भाग लेना चाहिए।

युवा उत्सव प्रभारी डॉण् रितेश भावसार ने बताया कि तीन दिवसीय इस आयोजन में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं को साहित्यिकए रूपांकनए संगीतिक और सांस्कृतिक पक्ष में वर्गीकृत किया गया है। निर्णायक के रूप में डॉण् स्मिता यादवए डॉण् सुनीता सोलंकीए डॉण् लक्ष्मी गोयल और डॉण् तंजीम शेख उपस्थित रहे।

प्राचार्य ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि युवा उत्सव विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के लिए महाविद्यालय में आयोजित किया जाता हैए जिसमें विद्यार्थी अपनी संस्कृति से जुड़ता है। डॉण् संजय हिरवे और डॉण् धर्मेंद्र सिंह जाटव ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

धार विधायक ने सीएसआर फंड के बेहतर उपयोग और स्थानीय रोजगार की अपील की

माही की गूंज, धार।

धार विधायक नीना वर्मा ने पीथमपुर में आयोजित 5 इकाइयों के वर्चुअली भूमिपूजन कार्यक्रम में सामाजिक सरोकारों के लिए सीएसआर फंड के व्यावहारिक उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने उद्यमियों से कहा कि अगर हम मिलकर प्रयास करेंए तो क्षेत्र की तक़दीर बदल सकती है।

महू विधायक उषा ठाकुर ने भी उद्यमियों से अपील की कि वे तीस प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोजगार देने के लिए संकल्पित हों। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर अश्विनी कुमार रावत और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉण् मोहन यादव ने पीथमपुर में 5 नई इकाइयों का भूमिपूजन कियाए जिनमें ईण्वीण् बस एवं लाइट कमर्शियल व्हीकल बनाने वाली इकाई शामिल है। इन परियोजनाओं से 1600 करोड़ रुपये का निवेश और सैकड़ों नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

30 मरीजों को मिलेगा मोतियाबिंद का इलाज

माही की गूंज, बड़वानी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉण् सुरेखा जमरे और सिविल सर्जन डॉण् अनिता सिंगारे के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय बड़वानी और लायंस क्लब बड़वानी सिटी के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया।

22 अक्टूबर को आयोजित इस शिविर में बड़वानी जिले के पलसूदए सिलावदए कुक्षीए मानवर और आस.पास के आलीराजपुरए खरगोन से 93 नेत्र मरीज इलाज के लिए आए। इनमें से 30 मरीजों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गएए जिन्हें ऑपरेशन के लिए इंदौर भेजा गया।

लायन हरीश शर्मा ने बताया कि सभी मरीजों का लैंस प्रत्यारोपण किया जाएगा। शिविर में डॉण् आशीष सेनए डॉण् युक्ता पटेलए नेत्र सहायक अनिल राठौड़ए रवींद्र टेकाम और गुलाब नरगावे ने मरीजों का परीक्षण किया।

लायंस क्लब बड़वानी द्वारा सभी मरीजों और उनके परिजनों को भोजन भी कराया गया। आगामी शिविर 6 नवम्बर को जिला अस्पताल बड़वानी में आयोजित होगा।

आयुर्वेद दिवस पर वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य शिविर और व्याख्यान का आयोजन

माही की गूंज, धार।

9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर शासकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय मगजपुरा में पेंशनरों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वृद्धावस्था से संबंधित रोगों और उनकी रोकथाम पर केंद्रित थाए जिसकी शुरुआत भगवान धन्वंतरि की पूजा से हुई।

शिविर में वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण और आयुर्वेदिक जांच की गईए जिसमें रक्तचापए शुगर स्तरए हीमोग्लोबिनए वजन और आयुर्वेदिक शारीरिक संरचना विश्लेषण शामिल थे। ये परीक्षण आयुर्वेदिक विशेषज्ञों डॉण् अतुल तोमरए डॉण् नरेश वागुलए और डॉ. भाग्यश्री नावड़े द्वारा किए गए।

स्वास्थ्य जांच के बादए वृद्धावस्था से संबंधित रोगों की रोकथाम और प्रबंधन पर एक व्याख्यान दिया गया। प्रमुख विशेषज्ञों ने पेंशनरों को मार्गदर्शन दियाए जिसमें जिला आयुष अधिकारी डॉण् रमेश मुवेल और पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमोद टोंग्या शामिल थे।

व्याख्यान में आयुर्वेद की भूमिका पर चर्चा की गई कि यह कैसे उच्च रक्तचापए मधुमेहए जोड़ों का दर्दए और पाचन विकारों जैसे सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान कर सकता है।

कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व और आयुर्वेद द्वारा वृद्धावस्था की देखभाल के दृष्टिकोण पर बात की गई। डॉण् मुवेल ने बताया कि आयुर्वेद शरीर के दोषों को संतुलित कर उम्र से संबंधित बीमारियों को रोकने में मदद कर सकता है।

प्रतिभागियों ने इस आयोजन की सराहना कीए जिसने आयुर्वेद के समग्र दृष्टिकोण और वृद्धावस्था स्वास्थ्य देखभाल में इसकी प्रासंगिकता को उजागर किया।

घरेलू गैस सिलेंडर के व्यवसायिक उपयोग पर कार्रवाई

माही की गूंज, खरगोन।

घरेलू उपयोग के एलपीजी गैस सिलेंडर का व्यवसायिक उपयोग रोकने के लिए कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के मार्गदर्शन में खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने 23 अक्टूबर को खरगोन शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों की आकस्मिक जांच की। इस दौरान 16 गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

जिला आपूर्ति अधिकारी भारत सिंह जमरे ने बताया कि जांच के दौरान खरगोन शहर के बस स्टैंडए राधा वल्लभ मार्केटए डाक घर चौराहाए आरती टॉकीज क्षेत्रए बिस्टान रोड और खंडवा रोड पर विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच की गई।

इस जांच में घरेलू उपयोग के एलपीजी गैस सिलेंडर का व्यवसायिक उपयोग पाए जाने पर निम्नलिखित प्रतिष्ठानों से गैस सिलेंडर जब्त किए गएरू गौरी होटल बस स्टैंड`म 3ए आनंद भोजनालय बस स्टैंड से 2ए मेसर्स रिफ्रेशेशन राधा वल्लभ से 4ए होटल ओम शिवम बस स्टैंड से 1ए सत्यम दाल बाफला बस स्टैंड से 1ए शिव संघम होटल से 1ए सालकराम चाट और पाव भाजी राधा वल्लभ से 2ए तथा वंश ढाबा खंडवा रोड से 2। इस प्रकार कुल 8 प्रतिष्ठानों से 16 गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं।

इन प्रतिष्ठानों के संचालकों के विरुद्ध द्रव्यमान पेट्रोलियम गैस प्रदाय एवं वितरण अधिनियम और अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। जांच के दौरान कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी हेमंत मंडलोईए रविंद्र सिंह ठाकुरए योनिस पाल सिंह पटेल और प्रीति राठौर उपस्थित थे।

कलेक्टर ने की निर्माण विभागों के कार्यों की समीक्षा

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने 23 अक्टूबर को निर्माण विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश सिंहए निर्माण विभागों के अधिकारी एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में ग्रामीण यांत्रिकी सेवाए लोक निर्माण विभागए जल संसाधन विभागए मंडी बोर्डए पीआईयूए हाउसिंग बोर्डए प्रधानमंत्री ग्राम सड़कए जनजातीय कार्य विभागए सड़क विकास प्राधिकरणए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और जल निगम द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत बनाई जा रही सड़कए नल जल योजनाए सामुदायिक भवनए आंगनवाड़ी भवनए सीएम राइज स्कूलए कन्या शिक्षा परिसरए गौशालाए रिटेनिंग वॉल निर्माण एवं अन्य निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में विधायक निधिए सांसद निधिए जनभागीदारीए मनरेगा और मुख्यमंत्री राज्य वित्त योजना के कार्यों की भी समीक्षा की गई।

कलेक्टर शर्मा ने इस दौरान निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो स्वीकृत कार्य अब तक प्रारंभ नहीं हुए हैंए उन्हें शीघ्र प्रारंभ किया जाए। निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ एवं समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो कार्य पूर्ण हो चुके हैंए उनके पूर्णता प्रमाण पत्र शीघ्र प्रस्तुत किए जाएं। जिन भवनों के कार्य पूर्ण हो गए हैंए उन्हें संबंधित विभागों को हस्तांतरित किया जाए। वर्षा के दिनों में क्षतिग्रस्त या खराब हुई सड़कों की मरम्मत एवं सुधार का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। कलेक्टर शर्मा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों का सतत निरीक्षण करें।

विद्यार्थियों ने औद्योगिक भ्रमण किया

माही की गूंज, बुरहानपुर।

जीजामाता शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बुरहानपुर में आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तुकईथड़ और डोईफोडिया के कक्षा 9वीं और 11वीं के आईण्टीण् ट्रेड के लगभग 110 विद्यार्थियों ने औद्योगिक भ्रमण किया।

इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को महाविद्यालय में संचालित विभिन्न रोजगारोन्मुख डिप्लोमा पाठ्यक्रमोंए महिला छात्रों के लिए संस्था द्वारा उपलब्ध प्रशिक्षण कार्यक्रमोंए और प्रोग्रामिंग लर्निंग एप्लिकेशन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को कंप्यूटर लैबए लाइब्रेरीए और प्लेसमेंट संबंधी जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

इसके साथ हीए विद्यार्थियों के करियर काउंसलिंग संबंधी प्रश्नों का समाधान महाविद्यालय के व्याख्याताओं द्वारा किया गया।

प्रदेश की कला फिर अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर, जापान में सराही गई बाग प्रिंट कला

माही की गूंज, धार।

आदिवासी अंचल से जुड़ा एक छोटा सा कस्बा बाग...! पांडव गुफाओं वाले इस ऐतिहासिक गांव से निकली प्रिंट कला प्रदेश के मंचों को नापते हुए देशव्यापी हुई। फिर इसने अंतरराष्ट्रीय छलांग लगाई। बरसों का यह सिलसिला अब भी कायम रहते हुए और अधिक निखार की तरफ बढ़ा हुआ है। नई उपलब्धि इसके हिस्से समंदरों के पार जापान में मिली है। जहां इस बाग प्रिंट को दिल से लगाया जा रहा है और मन से सराहा भी जा रहा है।

मध्यप्रदेश के धार जिले की पारंपरिक बाग प्रिंट हस्तकला इन दिनों जापान में आयोजित ÷इंडिया मेला-2024÷ में अपनी छाप छोड़ रही है। कुशल कारीगर मोहम्मद यूसुफ खत्री यहां जापानी दर्शकों को बाग प्रिंट की कला से रूबरू करा रहे हैं।

प्राकृतिक रंगों की रंगत, बाग प्रिंट की अनूठी कलाकारी

बाग प्रिंट की खासियत इसकी जटिल पैटर्न और प्राकृतिक रंगों में है। खत्री ने जापान के विभिन्न शहरों, जैसे ओसाका, क्योटो और साकाई में, वर्कशॉप और प्रदर्शन आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में उन्होंने स्थानीय लोगों को बाग प्रिंट की बारीकियों को सिखाया और उन्हें स्वयं रूमाल बनाने का अवसर दिया।

जापान वासियों ने दिखाई गहरी रुचि

जापानी लोग बाग प्रिंट की कला से काफी प्रभावित हुए। उन्होंने न केवल इसकी सुंदरता की प्रशंसा की, बल्कि इसके पीछे की परंपरा और कारीगरी में भी गहरी रुचि दिखाई। कई लोगों ने बाग प्रिंट के उत्पाद खरीदे और सीखने के लिए वर्कशॉप में भाग लिया।

भारत और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि का प्रदर्शन

बाग प्रिंट की जापान में सफलता मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि का एक जीवंत प्रदर्शन है। यह हस्तकला पीढ़ियों से चली आ रही है और स्थानीय कारीगरों के लिए रोज़गार का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। मोहम्मद यूसुफ खत्री की जापान यात्रा ने न केवल बाग प्रिंट हस्तकला को वैश्विक मंच पर प्रमोट किया, बल्कि भारत और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को भी सम्मान दिलाया।

उन्होंने जापान के भौगोलिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक और परंपरागत परिधानों को डिजाइन किया, जिन्हें जापान वासियों ने खूब सराहा। मोहम्मद यूसुफ खत्री का जापान दौरा न केवल बाग प्रिंट को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर लाया, बल्कि भारत और मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को भी वैश्विक स्तर पर बढ़ावा दिया। यह प्रदर्शन भारत और जापान के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देगा।

लाइट जाते ही अंधेरे में महिला से दुष्कर्म

माही की गूंज, धार।

धार से रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां तारापुर के धर्मपुरी इलाके में बत्ती गुल होने के बाद अंधेरे का फायदा उठाकर दो लोग एक घर में घुस गए और महिला के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण घर मौके पर आ गए। ग्रामीणों ने दोनों आरोपियों के कपड़े उतारकर उन्हें जमकर पीटा और इसका वीडियो भी बनाया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रंगे हाथ पकड़े गए दोनों दरिंदों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

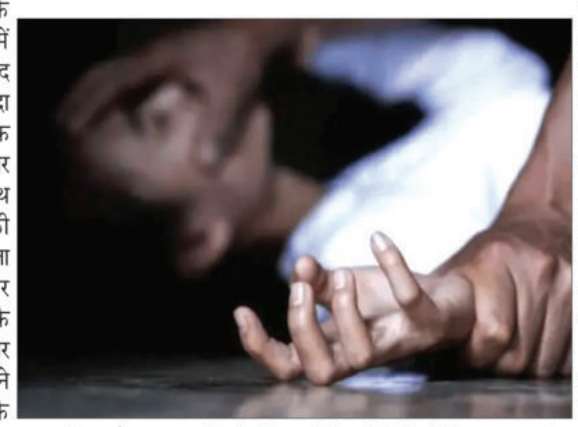

यह है पूरा मामला

महिला के परिजनों का कहना है कि, पीड़िता का पति शहर में एक कोर्ट में पेशी के लिए गया था और वह घर पर दोनों बच्चों के साथ अकेली थी। तभी रात के 8 बजे के इस इलाके के साथ ही आस-पास के इलाकों में बत्ती गुल हो गई और वहां अंधेरा छा गया। गहरे अंधेरे का फायदा उठाकर दो लोग ताहिर और सलमान घर के दरवाजे के बाहर आकर पानी मांगने लगे। महिला जैसे ही पानी लेने अंदर गई वे दोनों घर में घुस गए और महिला के साथ ज्यादती की कोशिश करने लगे। लेकिन महिला के चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनकर आस-पास के ग्रामीण आ गए और उन्होंने दोनों दरिंदों को पकड़ लिया। ग्रामीणों ने घर के अंदर घुसे दोनों आरोपियों के पहले कपड़े उतरवाए और फिर उन्हें लाठी-डंडों से जमकर पीटा। यही नहीं उन्होंने आरोपियों की पिटाई का वीडियो भी बनाया और दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा

पीड़िता और उसके परिजन के बयान पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को जेल भेज दिया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए आरोपियों की पिटाई के इस वीडियो को शेयर करने से संबंधित सख्त निर्देश भी दिए हैं। लेकिन ये वीडियो अभी भी वायरल हो रहा है।

आरोपी की मां ने बताया नया एंगल

गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी में से एक की मां ने इस मामले में मीडिया के सामने बयान दिया है। मां ने पीड़ित महिला पर ही आरोप लगाते हुआ कहा कि वह दोनों लड़कों को इंस्टाग्राम के जरिए जानती थी और आए दिन मिलने के लिए घर बुलाती थी। उस दिन भी महिला ने ही दोनों लड़कों को बुलाया था जहां उनके बेटों से लूटपाट की गई और उन्हें नग्न कर पीटा गया। आरोपी की मां ने पुलिस से मांग की है कि महिला का मोबाइल फोन की भी जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई का पता चल सके।

3 दिवसीय युवा उत्सव का समापन

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

शासकीय महाविद्यालय चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) में सत्र 2024द्25 का आयोजन दिनांक 18, 19 व 21 अक्टूबर को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 18 अक्टूबर को प्राचार्य डॉ एस एस डोडवे द्वारा किया गया। अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने विद्यार्थियों को युवा उत्सव में बढ़द्चढ़कर भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करते हुवे कहा कि यह मंच आपको अपनी विद्या को प्रदर्शित करने के साथ ही आत्मविश्वास को बढ़ाता है।

युवा उत्सव में वाददृविवाद, भाषण, प्रश्नमंच जैसी साहित्यिक विधाओं के अतिरिक्त गायन, लोकनृत्य ,पोस्टर निर्माण, रंगोली, मेंहदी डिजाइन एक मिनिट प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। जिसके संचालन हेतु महाविद्यालय का समस्त स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विधाओं में विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया व अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन गायन व समूह नृत्य का आयोजन किया गया जिसमे 3 टीमों ने भाग जो कि सभी विद्यार्थियों के बीच प्रमुख आकर्षण रहा।

दो-तीन दिन रूक कर तेज हवा तथा गर्जना के साथ झमाझम बारिश

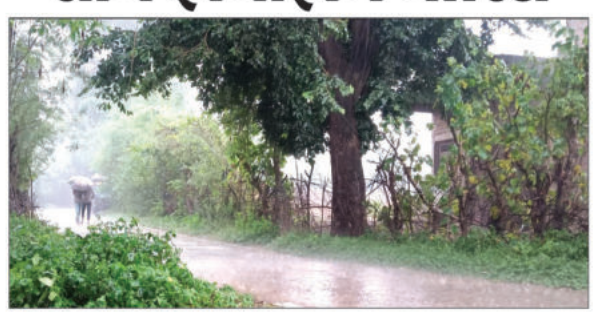

माही की गूंज, आम्बुआ।

क्षेत्र में विगत दो तीन दिनो से वर्षा बंद रहने से कृषको ने अभी राहत की सांस भी नहीं ली थी कि 22 नवंबर को शाम 5 बजे के लगभग अचानक बिजली की कड़क तथा बादलों की तेज गर्जना एवं हवा के साथ अचानक शुरू हुई वर्षा ने क्षेत्र को तरबत कर दिया।

विगत दिनों से लगातार तेज बारिश ने खेतों में खड़ी फसलों को भारी नुक्सान पहुंचा खेतों में खड़ी फसलें सड़ने लगी थी और कृषक अपनी किस्मत पर आंसू बहाने को मजबूर हो रहे थे। इसी बीच दो तीन दिनो से वर्षा रूकी हुई थी। कृषक खेतों में बची फसलों को समेटने में जुट गए थे कि, 22 नवंबर की शाम लगभग 5 बजे अचानक बिजली की कड़क तथा बादलों की गरज एवं हवा के साथ झमाझम बारिश से संपूर्ण क्षेत्र तर-बतर कर दिया लगभग आधा घंटे तक वर्षात के बाद जब बंद हुई तब राहत मेहसूस हुआ हालांकि आसमान पर बादल छाए हुए हैं।

ट्रक पलटने की दुर्घटना में 20 मवेशियों की मौत

माही की गूंज, उज्जैन।

जिले के नागदा से लगभग 8 किमी दूर उज्जैन जावरा रोड पर मंगलवार शाम को एक ट्रक के पलटने से लगभग 20 मवेशियों की मौत हो गई। ये सभी मवेशी (पाड़े) हैं। बिड़लाग्राम पुलिस ने मौके पर पहुँच कर कार्यवाही को अंजाम दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ट्रक कंमाक सीजी 04 एन डब्बल्यू 4400 में ये पाड़े देपालपुर जिला इंदौर से भरकर जावरा जिला रतलाम को जा रहे थे।

देपालपुर हाट से इनको ले जाया जा रहा था। ट्रक में लगभग 40 पाड़े थे। जिसमें लगभग 20 जानवरों की मौत हो गई। लगभग 10-12 घायल हुए थे। जिनका उपचार करने के बाद इनको गौशाला में भेज दिया। इस मामले में पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लिया है। दो लोग मौके से फरार हो गए। इस घटना के बाद मौके हिदुवादी संगठन के लोग भी थाना प्रांगण में पहुँचे। बताया जा रहा है कि इस घटना की सूचना एसपी उज्जैन को देने के बाद पुलिस ने ट्रक से शराब भी जप्त की है। शाम लगभग 7 बजे ट्रक समेत घटना स्थल पर जांच के लिए ले जाया गया। जिन लोगों को हिरासत में लिया गया वे एक ही समुदाय के बताए जा रहे हैं। पूरे मामले की पुलिस जांच कर रही है।

सात हजार रिश्वत लेते हुए पटवारी को रंगे हाथों लोकयुक्त ने किया गिरफ्तार

माही की गूंज, नीमच।

निमच जिले में पैतृक जमीन के बंटवारे के लिए सीमांकन के नाम पर 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगने वाले पटवारी को आखरी किश्त लेते हुए उज्जैन लोकायुक्त ने ग्राम घासुंडी बामनी के पंचायत भवन में धर दबोचा।

उज्जैन लोकायुक्त की टीम मंगलवार को नीमच जिले के ग्राम घासुंडी बामनी पहुंची। यहां टीम ने हल्का नंबर-5 के पटवारी दिनेश कुमार चोरड़िया को ग्राम पंचायत भवन में फरियादी पारसमल शर्मा से सात हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

उज्जैन लोकायुक्त डीएसपी सुनील तालान ने जानकारी देते हुए बताया कि, फरियादी किसान पारसमल शर्मा ने अपनि पैतृक जमीन का तीन भाइयों में बंटवारा करने के लिए पटवारी दिनेश कुमार चोरड़िया को आवेदन दिया था। पटवारी ने जमीन बंटवारा करने की एवज में किसान से 20 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी।

इसके एवज में फरियादी पारसमल ने पहली किश्त में दो हजार दूसरी किश्त में पांच हजार और तीसरी किश्त में छह हजार इस तरह कुल 13 हजार रुपये दिए। इसके बाद किसान ने लेन-देन से जुड़ी रिकार्डिंग कर पटवारी की शिकायत लोकायुक्त से की। लोकायुक्त डीएसपी सुनील तालान ने बताया कि आज अंतिम किश्त देने के लिए पटवारी ने किसान को बुलाया था। इसी दौरान पटवारी को लोकायुक्त ने रंगे हाथों पकड़ा है।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा आज निकाला जाएगा पथ संचलन

माही की गूंज, आम्बुआ।

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा कदम ताल के साथ पूर्ण अनुशासन से कस्बे में पथ संचलन निकाला जाएगा जिसकी समस्त तैयारियां पूरी कर ली गई है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ उपखंड आम्बुआ से मिली जानकारी अनुसार आम्बुआ में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा बड़े स्तर पर विशाल पथ संचलन निकाला जाता रहा है। इसी कड़ी में आज 24 नवंबर को दिन में 3 बजे शंकर मंदिर प्रांगण से संघ की वेशभूषा में अनुशासित संघ कार्यकर्ताओं द्वारा वाद्य यंत्रों की कर्ण प्रिय धुन के साथ कस्बे में पथ संचलन निकाला जाएगा। जिसका विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया जाएगा कस्बा भ्रमण पश्चात पुनः मंदिर प्रांगण में पंहुचा कर नियमानुसार समापन किया जाएगा।

अखाड़ों को सिंहस्थ क्षेत्र में स्थायी रूप से जमीनों का आवंटन होगा- मुख्यमंत्री

माही की गूंज, उज्जैन।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज पत्रकारों को बताया कि हरिद्वार की तरह उज्जैन में भी सिंहस्थ के लिए अखाड़ों को आश्रम बनाने के लिए सरकार स्थायी रूप से जमीनों का आवंटन करेगी, जिससे कि पूरे 12 वर्ष धार्मिक गतिविधियां चलती रहें।

उल्लेखनीय है कि, उज्जैन में अखाड़ों को सिंहस्थ के समय भूमि आवंटन किया जाता है और बाद में वहां जमीनों पर खेती होती है, इसलिए 12 साल कोई बड़े साधु उज्जैन नहीं आते। बड़े अखाड़ों एवं मठों को मंगलनाथ, बडनगर रोड, आगर रोड क्षेत्र में भूमि आवंटन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ के कार्यों में तेजी लाने के लिए अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक उज्जैन में आयोजित होगी तथा सिंहस्थ के आयोजन के लिए सभी साधु-संतों को निमंत्रण दिए जाएंगे।

स्थायी आश्रम बनाने के निर्णय की संत समाज ने की सराहना

माही की गूंज, उज्जैन।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उज्जैन में हरिद्वार की तर्ज पर साधु-संतों के लिए स्थायी आश्रम बनाने के निर्णय का संत समाज ने खुले दिल से स्वागत किया है। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के सिलसिले में मुख्यमंत्री ने इस निर्णय की घोषणा की थी।

इसके तहत साधु-संतों, महंतों, अखाड़ा प्रमुखों और महामंडलेश्वरों के लिए स्थायी आश्रमों के निर्माण की योजना बनाई गई है। इस पहल का उद्देश्य उज्जैन में आने वाले साधु-संतों को स्थायी आवास और आयोजन स्थलों की सुविधा प्रदान करना है।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज ने मुख्यमंत्री के इस निर्णय को विकासोन्मुखी बताते हुए उनकी सराहना की। इसी तरह, जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी ने मुख्यमंत्री की इस पहल को सनातन संस्कृति और संत समाज के प्रति गहरी संवेदनशीलता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि उज्जैन में स्थायी आश्रमों के निर्माण से संत समाज को दीर्घकालिक लाभ होगा, जिससे धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों को

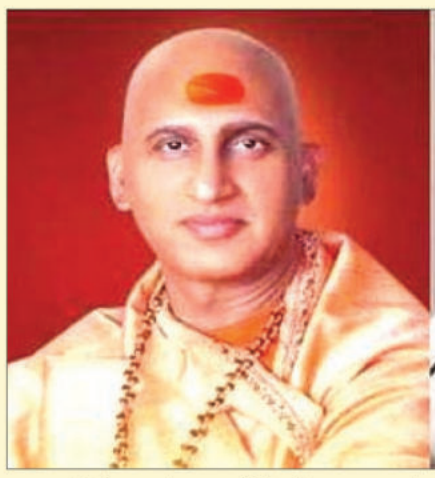

बढ़ावा मिलेगा। महंत अरुण गिरि जी महाराज, महंत रामेश्वर गिरि महाराज, पीर रामनाथ जी महाराज और अन्य प्रमुख संतों ने भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्णय की मुक्त कंठ से सराहना की। सभी ने इसे संत समाज के हित में ऐतिहासिक और स्वागतयोग्य कदम बताया।

सीएम को ढेर सारा आशीर्वाद

पीठाधीश्वर वाल्मिकी धाम एवं राज्यसभा सदस्य बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज ने कहा कि संतों के पक्के आश्रम बनाने का निर्णय बहुत बड़ा है। संन्यासी होने के नाते देश के तमाम साधु संतों की ओर से सीएम मोहन यादव के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं, ढेर सारा आशीर्वाद देता हूं। सीएम ने इतने अच्छे से इस काम को करने का संकल्प लिया है। संतों की प्रसन्नता से ही अवंतिका में सुख शांति और समृद्धि बनेगी और उसी के साथ-साथ मध्य प्रदेश शासन को भी लाभ मिलेगा।

संत समाज निर्णय का स्वागत करता है

आवाहन पीठाधीश्वर आचार्य अवधूत बाबा अरुण गिरि महाराज ने कहा कि संतों में बड़ा उल्लास और खुशी हुई है, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्णय से। इस निर्णय का सभी संत समाज के लोग उनका स्वागत करते हैं। मुख्यमंत्री ने बहुत अच्छा निर्णय लिया है। उससे हरिद्वार जैसा विकास उज्जैन का भी हो जाएगा, जब सभी संत महापुरुषों का वहां आश्रम बनेगा।

साधु संतों के हित में अच्छा निर्णय

रामादल अखाड़ा परिषद,उज्जैन के अध्यक्ष महंत डॉ. रामेश्वर दास महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने साधु संतों के हित में अच्छा निर्णय किया है, हम उनके निर्णय का स्वागत करते हैं एवं समस्त संतों की ओर से धन्यवाद देते हैं।

मामलाः मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र में 168 करोड़ का मैफेड्रॉन जप्त होने के बाद हुई जांच का

रसूखदार उद्योगों के रसूख के सामने कानून सबके लिए बराबर है का प्रतिपादित सिद्धांत भी ध्वस्त

रसूखदार उद्योगों को बिना परिसर में घुसे ही दे दी क्लीन चिट

माही की गूंज, मेघनगर। इमरान शेख

आदिवासी बाहुल क्षेत्र झाबुआ जिले के मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र से सरकारी किमत अनुसार ही 168 करोड़ के मैफेड्रॉन जब्त की गई। उक्त कार्यवाही के बाद पिछले सोमवार को एसडीएम के नेतृत्व में औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगों की जांच की औपचारिकताए पूरी करने निकली टिम ने जांच के नाम की प्रक्रिया की औपचारिकता भी ठीक ढंग से नहीं निभाई। इस जांच टिम ने कानून के समक्ष सभी समान है के प्रतिपादित सिद्धांत की भी धज्जियां उड़ा दी। जांच टिम ने मात्र 9 छोटे उद्योगों उर्फ छोटी मछलियों की ही जांच की औपचारिकता निभाई। वही कृष्णा फोस्केम लिमिटेड, ओवेस मेटल एंड मिनरल्स, मोनी मिनरल्स, एस.एम.ओ. फेरो एलॉय, मध्य भारत, एग्रो फॉस सहित बड़ी मछलियों पर हाथ डालने से गुरेज किया और इन उद्योगों के तो परिसर के अंदर भी जाना उचित नहीं समझा।

जबकि सबसे ज्यादा आर्थिक अपराध, अवैध गतिविधियां नियम विरुद्ध कार्य इन्हीं उद्योगों में संचालित हो रहे हैं। प्रशासकीय जांच एजेंसियों का काम सिर्फ उत्पादों के निर्माण को देखना नहीं होता है बल्कि यह देखना भी होता है कि, क्या वो उद्योग स्वीकृत अनुमति की तय सीमा अनुसार ही उत्पादन कर रहें हैं...?

कहीं ज्यादा उत्पादन कर कम दिखाकर इनकम टैक्स का चुना तो राज्य और केंद्र सरकार को नहीं लगा रहे है...?

क्या उद्योग जो उत्पाद बना रहे हैं उन उत्पादों के

राठौर फार्मा के अंदर फॉस्फो जिप्सम जैसे जहरीले पदार्थ का संधारण मिला, पर प्रशासन के नुमाईंदो ने नही की कोई कारवाई।

सेंपल लेकर क्रॉस चेक करना की जिस उत्पाद की दस्तावेजी स्वीकृति दी गई है धरातल पर हो रहे वो निर्माण में उसकी समानता है या नही...?

राज्य सरकारों और केंद्र सरकार की एजेंसियों का काम ये देखना भी होता है कि उद्योगों द्वारा फर्जी उत्पादन दिखाकर सब्सिडी की चोरी कर अरबों का चुना तो नहीं लगाया जा रहा है...?

क्या इनके परिसर में जो उत्पाद संधारित पाए जाते हैं इन उद्योगों के पास इनके संधारण की अनुमति भी संबंधित विभाग से प्राप्त की गई है या नहीं...?

क्या जमीन की जो लीज जिस उत्पाद के निर्माण के लिए ली गई थी उस पर उसी उत्पाद का निर्माण किया जा रहा है या नही...?

अगर उत्पाद निर्माण में बदलाव किया तो क्या प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, उद्योग विभाग, औद्योगिक केंद्र विकास निगम को उसकी सूचना दी या नहीं और उससे अनुमति प्राप्त की गई या नहीं...?

इन उद्योगों के फर्जी बिलों से सेल टेक्स की चोरी, नकली उत्पाद बनाकर विक्रय करना, प्रतिबंधित उत्पादों को विक्रय करना, विभागों को फर्जी अंडरटेकिंग देना, पार्टियों से फर्जी अंडरटेकिंग लेना, फर्जी बिलिंग सहित कई पहलुओं की जांच करना होता है।

मगर इन उद्योगों के आर्थिक और राजनीतिक रसूख के आगे स्थानीय प्रशासकीय तंत्र और उसकी एजेंसियां किस प्रकार नतमस्तक है कि, कर्रवाई तो दूर उनके परिसर में घुसने तक की हिम्मत नहीं जुटा पा रही है। अगर इन उद्योगों पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट, पर्वतन निदेशालय, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरा, केंद्रीय सब्सिडी विभाग, केंद्रीय कृषि मंत्रालय की टीम, भारतीय खान ब्यूरो, सहित राज्य सरकार का सेल टेक्स विभाग, खनिज विभाग, आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो गहनता से जांच करे तो अरबों रुपए के घोटाले और आर्थिक अनियमितताएं उजागर हो सकती है। अब देखना ये है कब तक राज्य सरकार और केंद्र सरकार की जांच एजेंसियां इन रसूखदारो पर अपनी कार्रवाई का हथौड़ा चलाती है...?

किसी उद्योग के पास फायर की एनओसी नहीं, राठौर फार्मा में जिप्सम का संधारण मिला फिर भी किसी उद्योग को सील नहीं किया ये कैसी जांच...? ब्रह्मोस ट्रेंट केमिकल, विनी, राठौर फार्मा सहित जिन 9 केमिकल कारखानों की बीते सोमवार को एसडीएम के नेतृत्व वाली संयुक्त टिम ने जांच की थी। जांच के दौरान पाया गया था कि, इन 9 उद्योगों सहित औद्योगिक क्षेत्र के किसी उद्योग के पास फायर की एनओसी उपलब्ध नहीं थी। एनओसी ना सही मगर एनओसी के साथ किसी भी प्लांट में फायर कंट्रोल यूनिट तक नहीं लगी थी। जबकि फायर एनओसी और फायर कंट्रोल यूनिट के बिना कोई भी कारखाना एक दिन भी संचालित नहीं किया जा सकता। जांच के दौरान राठौर फार्मा के अंदर फॉस्फो जिप्सम जैसे जहरीले पदार्थ का संधारण मिला। अब सोचने वाली बात यह है कि, एक दवाई की कंपनी में जिप्सम जैसे पदार्थ क्यों उपलब्ध था...? जांच टिम ने जिप्सम संधारण की अनुमति देखना उचित न समझा न ही ठोस कार्रवाई करना। जबकि नियमानुसार तो उसी वक्त राठौर फार्मा को सील कर फैक्ट्री में पडा जिप्सम की जब्ती की कार्यवाही कर उसे नोटिस दिया जाना था। लेकिन ऐसा नही किया।

शासन के वन विभाग,खनिज विभाग भी सो रहे है

आद्योगिक क्षेत्र मेघनगर के समस्त उद्योगों में जांच के दौरान लकड़ियों का बेखौफ भंडारण पाया गया, मगर वन विभाग की टीम ये जांच करने की जहमत नहीं उठा रही है कि, ये लकड़ियां विधिवत ट्रांजिट पास के जरिए आई है या उसे यहीं कहीं जंगल के पेड़ो की अंधाधुंध कटाई कर तो लकड़ियां नहीं लाई जा रही है। न ही कभी फैक्ट्रियों के स्टॉक रजिस्टर, संधारण रजिस्टर, ट्रांजिट पास, लकड़ियों के बिल देखने की जहमत उठा रहे है। वहीं खनिज विभाग भी ये देखने की जहमत नहीं उठा रहा कि, ओवेस मेटल एंड मिनरल्स और एस.एम.ओ.फेरो अलॉय जैसी कमानियों में जो क्वार्ट्ज, मैंगनीज पत्थर आ रहा है वो रॉयल्टी से आ रहा है या बिना रॉयल्टी से? इनके पास इन खनिजों के संधारण की अनुमति भी है या नहीं? जितने संधारण की अनुमति है उस से ज्यादा तो संधारण नहीं कर रहे हैं। इनके स्टॉक रजिस्टर, विक्रय रजिस्टर तथा बिलों को क्रॉस चेक किया जाना चाहिए। कहीं पूर्व में खरीदे हुए मैंगनीज के बिलों और भंडारण के अनुज्ञा पत्र की आड़ में राजस्थान का अवैध मैंगनीज खपाया जाकर शासन को करोड़ों के राजस्व का चुना तो नहीं लगाया जा रहा जेसी कई पहलू की जांच कर ठोस कार्रवाई की जरूरत है। अब देखना है कि, शासन की जिम्मेदार जांच एजेंसियां कब तक जागती है या फिर आर्थिक साठगांठ से कुम्भकरणीय नींद सोती ही रहेगी।

नामचीन फैक्ट्रीयो में कई तरह की अनियमितताए हो रही है पर जवादार देख कर भी अनदेखी कर उद्योग माफियाओ को खुले आम सरक्षण दे रहे है।

नगरपालिका का फिसड्डी मैनेजमेंट

सफाई कर्मियों का दिल बड़ा: त्यौहारों को देखते हुए मांगे पूरी नहीं होने के बावजूद हड़ताल समाप्त कर लौटे काम पर

जिन सफाईकर्मियो की बदौलत नगरपालिका ने अवार्ड की वाहवाही लूटी, उन्ही का जीवन यापन संकट मे।

माही की गूंज, झाबुआ।

पिछले नौ दिनों से चल रही सफाईकर्मियों की हड़ताल आखिरकार बिना उनकी किसी मांग के पूरा हुए खुद उन्होने ही जनहित व त्यौहारों को देखते हुए समाप्त कर दी। इन सफाईकर्मियों की इस हड़ताल ने यह साबित कर दिया कि, नगरपालिका का मैनेजमेंट पूरी तरह से कचरा-कचरा हो चुका है। नगरपालिका में बैठे भामाशाह इसे चलाने में नाकामयाब साबित हो रहे है। सफाई कर्मियों को वेतन ना मिलने की स्थिति से अंदाजा लगाया जा सकता है कि, नगरपालिका में बैठी नगरपरिषद नगर विकास को लेकर फिसड्डी साबित हो रही है।

नगरपालिका की इस स्थिति से यह भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि, गरीबों से नगरपरिषद में बैठे भामाशाहों को कोई सरोकार नहीं है। क्योंकि जब से नगरपालिका में नई परिषद बैठी है तब से लेकर आज तक सफाई कर्मियों की वेतन को लेकर यह लड़ाई चली आ रही है। इसके विपरीत नगरपालिका के ठेकेदारों को बिल बाले-बाले ही पास हो रहे है और उन्हे भुगतान भी किया जा रहा है। यह नगरपरिषद के सफाई कर्मियों के साथ सौतेले व्यावहार को दर्शाता है। जिन ठेकेदारों के बिल नगरपालिका से पास हो रहे है वे नगरपालिका के कामों में अथा भ्रष्टाचार कर चुके है, जो जग जाहिर है। बावजूद इसके नगरपालिका कोई एक्शन लेने के बजाए उनके बिल पास कर भुगतान करने में कोई देरी नहीं करती। मगर सफाईकर्मियों को वेतन देने के लिए नगरपालिका के पास पैसा नहीं है...?

प्रधानमंत्री की मन की बात में झाबुआ नगरपालिका के सफाई कर्मियों की तारीफ और नगरपालिका को मिले अवार्ड सिर्फ और सिर्फ ढकोसला ही साबित हुए है। क्योंकि अवार्ड से सफाई कर्मियों का पेट तो नहीं भरता। स्थिति इतनी गंभीर है कि नौ दिन हड़ताल पर रहने के बावजूद नगरपालिका इन सफाईकर्मियों के वेतन का इंतेजाम नहीं कर पाई है। बावजूद इसके सफाई कर्मियों ने बड़ा दिल रखते हुए नगर हित व त्यौहारों को देखते हुए अपनी हड़ताल वापस ले ली। यह नगरपालिका परिषद के मुंह पर एक खुला तमाचा है और नगर की जनता के लिए एक सीख भी है जो यह दर्शाती है कि हमे अपने मत का सही उपयोग करना चाहिए। जिस उम्मीद व आशाओं के साथ नगर विकास के लिए जिस परिषद को चुना गया था अब वह नगर विकास को बट्टा लगाती नजर आ रही है। परिषद का मैनेजमेंट पूरी तरह से फिसड्डी साबित हो रहा है। नगरपालिका चुनावों के बाद से ही फंड की कमी का रोना रोने वाली नगरपालिका परिषद एक लंबे समय के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं ला सकी।

सफाईकर्मियों की हड़ताल जरूर खत्म हुई है लेकिन उनका संघर्ष अब भी जारी है। आने वाला समय त्यौहारों का है और यह अंदाजा लगाना भी मुश्किल है कि, बिना वेतन के वे अपने परिवार के साथ किस तरह से त्यौहार मनाएंगे! हालांकि नगरपालिका का यह दावा है कि सफाईकर्मियों को एक माह का वेतन त्यौहारों के पहले दे दिया जाएगा और इसके बाद नवंबर माह में एक माह का वेतन और दे दिया जाएगा। लेकिन बावजूद इसके स्थिति ढाक के तीन पात ही साबित होगी। क्योंकि पिछले तीन माह से सफाई कर्मियों को वेतन नहीं दिया गया है। एक माह का वेतन इन सफाई कर्मियों के लिए उंट के मुंह में जीरा ही साबित होगा। जब तक इन्हे यह एक माह का वेतन मिलेगा तब तक चौथा माह पूरा हो जाएगा। मतलब एक माह का वेतन मिलने के बावजूद स्थिति में कोई बदलाव आता दिखाई नहीं दे रहा है। क्योंकि फिर से सफाईकर्मियों का तीन माह का वेतन बकाया हो जाएगा। नवंबर में मिलने वाला वेतन सफाई कर्मियों को कुछ राहत दे सकता है, लेकिन वह उनके संघर्ष को खत्म नहीं कर सकेगा। उस पर त्यौहारों का खर्च और तीन माह से न मिलने वाले वेतन की वजह से हुआ बाजार का कर्ज उन्हे अब भी संघर्षशील जीवन जीने को मजबूर करेगा।

हड़ताल खत्म होने के बावजूद ये सफाईकर्मी त्यौहार तो नहीं मना सकेंगे। कल्पना कीजिए कि अगर यही स्थिति नगरपालिका परिषद में बैठे भामाशाहों की हो जाए तो क्या होगा। क्या उनके बच्चे भी इसी तरह त्यौहार पर नए कपड़ों, मिठाईयों, और दीपावली मनाने से वंचित रह पाएंगे...? जैसा कि अब सफाईकर्मियों के बच्चे त्यौहार नहीं कर सकेंगे।

सफाई कर्मियों की मुह जवानी सुनने के बाद आपकी त्यौहार मनाने की इच्छा शायद खत्म हो जाए। वे बताते है कि तीन माह से वेतन नहीं मिला है। बच्चों की स्कूली फीस बकाया हो चुकी है। राशन की दुकान से उधार ले-लेकर कर्ज का पहाड़ बढ़ता जा रहा है। घर में आने वाली परेशानियों जैसे बिमारी, हजारी पर अलग से कर्ज लेकर काम चलाना पड़ रहा है। कहने को तो वे नगरपालिका के कर्मचारी है लेकिन अब स्थिति ऐसी बन रही है कि बाजार से लोग राशन व दवाईयां भी उधार देने से कतरा रहे है। सफाई कर्मियों की इस स्थिति को देखने-सुनने के बाद आम इंसान के रोंगटे खड़े हो रहे है। इस बात की कल्पना भर से अहसास होता है कि, यही स्थिति अगर किसी आम इंसान के साथ हो जाए तो दिन कैसे कटते है।

एक तरफ स्वच्छता के नाम पर जनप्रतिनिधियों की नौटंकी और दूसरी तरफ रोज की तरह निभाई जा रही अपनी जिम्मेदारी।

मगर इन सब का अहसास नगरपालिका में बैठे भामाशाहो और प्रशासनिक अमले को बिल्कुल भी नहीं हो रहा है। हम यहां ऐसा इसलिए कह रहे है कि, नगरपालिका में नई परिषद बैठने के बाद से ही सफाईकर्मियों की यह स्थिति बनी हुई है। नगरपालिका का मैनेजमेंट खराब व फिसड्डी इसलिए भी साबित हो रहा है कि इससे पहले वाली परिषदों में कम से कम सफाईकर्मियों के साथ इस तरह की स्थिति तो शायद ही कभी बनी हो। कभी एकाध बार यह स्थिति आई भी तो तत्कालीन परिषद ने प्राथमिकता से सफाईकर्मियों की इस स्थिति को संभालते हुए निराकरण किया है।

अफसोस इस बात का है कि वर्तमान में देश, प्रदेश में भाजपा की सरकार है और नगरपालिका में भी भाजपा का कब्जा है। बावजूद इसके नगरपालिका के हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहे है। यह जनप्रतिनिधियों की नाकामी ही कही जाएगी कि, वे अपने ही प्रदेश व केंद्र सरकार से किसी तरह की कोई मदद नहीं ले पा रहे है। नगरपालिका परिषद लगभग अपना आधा कार्यकाल पूरा कर चुकी है और स्थिति ढाक के तीन पात है तो यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाले दिनों में बचे कार्यकाल में नगरपालिका परिषद क्या ही कर पाएगी। अगर बचा हुआ समय भी नगरपरिषद ने इसी तरह निकाल दिया तो यह नगर की जनता से बहुत बड़ा धोका ही माना जाएगा। क्योंकि नगरपालिका चुनाव के दौरान किए गए वादे अब तक धरातल पर नजर आते दिखाई नहीं दे रहे है।

जिला मुख्यालय की नगरपालिका होने के बावजूद जिला प्रशासन भी इसमें अपना निकम्मापन दिखा रहा है। कलेक्टर व आला अधिकारियों के संज्ञान के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। नगरपालिका प्रशासनिक अमले में भी कोई फैर बदल नहीं किया गया है। जबकि नगरपालिका में बैठा अमला पूरी तरह से निठल्ला साबित हो रहा है। कलेक्टर कम से कम इतना तो कर ही सकती थी कि, निठल्ले कर्मचारियों और अफसरों को हटाकर किसी काबिल अफसर को नगरपालिका का अफसर बना देती। नगरपालिका का प्रभार वर्तमान में जिस प्रशासक के पास है वह जिले की ही दूसरी परिषदों में पहले ही भ्रष्टाचार को लेकर सुर्खियों में रहा है। जिसकी शिकायतें खुद कलेक्टर तक पहुंची है।

इसलिए हम तो यही कहेंगे नगरपालिका का मैनेजमेंट पूरी तरह से कचरा-कचरा और फिसड्डी है। नगरपालिका में बैठी परिषद नगर की जनता से धोका कर रही है। सफाईकर्मियों की अपनी मर्जी से हड़ताल खत्म करना उनका दिल कितना बड़ा है यह दर्शाती है। मांगे पूरी ना होने के बावजूद नगर हित में वे हड़ताल खत्म कर अपने काम पर लौट आए। इसके लिए हम उन सफाई कर्मियों के दिल से आभारी है... और इस स्थिति में सिर्फ यही प्रार्थना कर सकते है कि भगवान नगरपालिका में बैठी फिसड्डी परिषद व भामाशाहों को सद्बुद्धी दे और सफाई कर्मियों की समस्याओं का अंत हो।

गधे के सिर से सिंग की तरह गायब स्वच्छता के नाम पर ढकोसला करने वाले

चिंता की बात यह है कि सफाईकर्मियों की इस नौ दिवसीय हड़ताल के बावजूद जब शहर कचरा-कचरा हो रहा था तो वे संस्थाएं और समितियां गधे के सिर से सिंग की तरह गायब दिखाई दिए जो आए दिन स्वच्छता के नाम पर ढकोसला करते नजर आते है। शिक्षा संस्थानों के वे भामाशाह भी इसी तरह गायब दिखे जो अपनी संस्थाओं के बच्चों सफाई करवाने या सफाई का ढकोसला करवाने के लिए स्कूली बसों में भरकर सिर्फ दिखावा करने व अखबारों की सुर्खियां बटोरने के लिए पहुंच जाते थे। इन नौ दिनों की सफाई कर्मियों की हड़ताल ने इस तरह की तमाम संस्थाओं के काले चिट्ठे खोलकर रख दिए है। असल में इस तरह की संस्थाओं का सफाई से कोई सरोकार होता ही नहीं है वे सिर्फ सफाई के नाम पर खानापुर्ति व अखबारों में अपनी फोटो छपवाने के लिए नौटंकियां भर करते है। अगर वास्तव में इन ढकोसली संस्थाओं या समितियों में स्वच्छता व सफाई को लेकर कोई जज्बात होते तो नगर की सफाई ना करते हुए वे कम से कम इतना तो कर ही सकते थे कि, आमजन के बीच पहुंच कर इतनी समझाईश देते कि सफाईकर्मियों के दर्द को समझा जाए और अपने कचरे का निपटान खुद आमजन अपने स्तर पर करे। अगर इन नौ दिनों में इस तरह का अभियान चल जाता तो सफाईकर्मियों की हड़ताल को सीधा सा समर्थन आमजन की ओर मिल सकता था। इन नौ दिनों की सफाई कर्मियों की हड़ताल ने यह भी साबित कर दिया कि नगर की जनता स्वच्छता को लेकर कितनी जागरूक है। प्रधानमंत्री द्वारा चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान यहां आकर शुन्य साबित हो जाता है। भाजपा व उससे जुड़े जनप्रतिनिधियों की कथनी और करनी में साफ अंतर देखा जा सकता है। होना तो यह भी चाहिए था कि नगरपालिका परिषद में बैठा एक-एक जन प्रतिनिधि अपने वार्ड की जिम्मेदारी उठाता और जन सहयोग से वार्ड में फैली गंदगी का निपटान करता। मगर इस तरह की कोई पहल किसी में देखने को नहीं मिली। इस पर एक अवसर ऐसा याद आता है जब इसी तरह इसी परिषद में सफाई कर्मियों ने इसी मुद्दे को लेकर हड़ताल की थी और फोटो खिंचाउ नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अपने वार्ड में कचरा वाहन लेकर खुद पहुंच गए थे। इन की इस हरकत को अखबारों ने खूब वाह-वाही के साथ प्रकाशित किया था। मगर वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि, तत्समय भी नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि ने सिर्फ और सिर्फ सुर्खियां बटोरने के लिए यह स्टंट किया था और अखबारों में फोटो छपवाए थे। इस नौ दिनी सफाई कर्मियों की हड़ताल ने नगरपालिका में बैठी परिषद व उसमें बैठे भामाशाहों के चेहरों से नकाब उतार दिया है और प्रधानमंत्री के स्वच्छता जागरूकता अभियान की धज्जियां बिखेर कर रख दी।

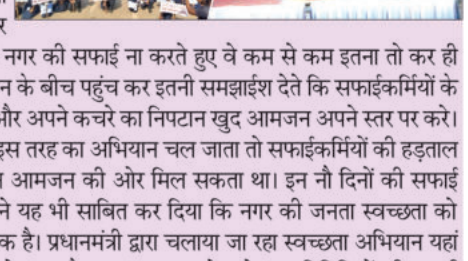

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422